तापमान
अधिकतम 37.2 डिग्री
न्यूनतम 25.9 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 2 जून 2025

कम हो जाएंगी सीटें

प्रदेश में 140 बीएड महाविद्यालय हैं। यहां बीएड की 14,500 सीटें हैं। वहीं 89 महाविद्यालयों में डीएलएड पाठ्यक्रम का संचालन होता है। डीएलएड की छत्तीसगढ़ में 6,700 सीटें हैं। जिन महाविद्यालयों की मान्यता समाप्त हुई है, वहां बीएड, डीएलएड तथा बीएससी बीएड पाठ्यक्रम का संचालन होता हैं। मान्यता समाप्त होने के बाद अब प्रदेश में बीएड-डीएलड की सीटों में कमी आ जाएगी। प्रबंधन की लापरवाही का खामियाजा अब विद्यार्थियों को सीट कटौती के रूप में भुगतना पड़ेगा। ना केवल छग बल्कि देशभर के 380 महाविद्यालयों पर भिन्न-भिन्न कारणों से कार्रवाई की गई है। कमेटी की 423वीं बैठक में यह फैसला लिया गया है।

अपील करेंगे

महाविद्यालयों से अनजाने में गलती हुई है। छात्रों के भविष्य को देखते हुए एनसीटीई से अपील करेंगे। हमें उम्मीद है कि अपनी बात रखने का मौका मिलेगा।

- राजीव गुप्ता
संयोजक, निजी बीएड महाविद्यालय संघ

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में यहां दाखिले नहीं होंगे

नहीं भेजी परफॉर्मेंस रिपोर्ट, नोटिस की भी अनदेखी छत्तीसगढ़ के चार बीएड कॉलेजों की मान्यता समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश के चार बीएड महाविद्यालयों की मान्यता समाप्त कर दी गई है। इन महाविद्यालयों में अब शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दाखिले नहीं होंगे। वार्षिक रिपोर्ट नहीं भेजने तथा नोटिस की अनदेखी करने के कारण एनसीटीई द्वारा यह कार्रवाई की गई है। बीएड और डीएलए पाठ्यक्रमों का संचालन करने वाले महाविद्यालयों को मान्यता एनसीटीई अर्थात नेशनल काउंसिल फॉर टीचर्स एजूकेशन द्वारा दी जाती है। महाविद्यालयों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपनी वार्षिक रिपोर्ट एनसीटीई को भेजें। ऐसा ना किए जाने की स्थिति में एनसीटीई को कार्रवाई का अधिकार होता है।

इस वार्षिक रिपोर्ट में महाविद्यालयों को जारी शैक्षणिक सत्र की संपूर्ण जानकारी देनी होती है। इसमें प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, परीक्षा ▶▶|शेष पेज 13 पर

बीएड महाविद्यालयों को भेजनी होती है वार्षिक रिपोर्ट

इन महाविद्यालयों की मान्यता हुई समाप्त

- श्री कृष्णा कॉलेज, जांजगीर-चांपा
- कांति दर्शन महाविद्यालय, राजनांदगांव
- श्रीराम शिक्षा महाविद्यालय, राजनांदगांव
- श्री शिरडी साईं शिक्षण, अंबिकापुर

खबर संक्षेप

विशाखापट्टनम वंदेभारत आज साढ़े 4 घंटे देर से होगी रवाना

रायपुर। पूर्वी तटीय रेलवे से वॉल्टेयर मंडल के अंतर्गत रायगड़ा एवं विजयनगरम में ट्रैफिक कम पॉवर ब्लॉक लेकर कार्य किया जाएगा। इस वजह से रायपुर से गुजरने वाली ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होगा। आज विशाखापट्टनम से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20830 विशाखापट्टनम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस 4 घंटे विलंब से रवाना होगी। इसके अलावा दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 20829 दुर्ग- विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस को भी 4 घंटे 30 मिनट विलंब से रवाना किया जाएगा। साथ ही रायपुर और विशाखापट्टनम से चलने वाली गाड़ी संख्या 58528-58527, पैसेंजर रद्द रहेगी।

ओमाया एलओडी क्लब में तोमर के बाउंसरों ने की मारपीट

रायपुर। तेलीबांधा क्षेत्र में स्थित ओमाया एलओडी क्लब में रोहित तोमर के प्राइवेट बाउंसरों द्वारा गुढ़ियारी निवासी दशमीत चावला उर्फ निक्की के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना की लिखित शिकायत प्रार्थी ने तेलीबांधा थाने में भी की है, लेकिन एक दिन बाद भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इधर इस मामले में थाना प्रभारी का कहना है कि इसकी शिकायत शनिवार की देर रात आई है, इसलिए पूरी शिकायत पढ़ नहीं पाए हैं। शिकायत पत्र पढ़कर ही बता पाएंगे कि आखिर मामला क्या है।

40 हजार किए पार पॉकिटमार गिरफ्तार

रायपुर। सिविल लाइंस पुलिस ने एक पॉकिटमार को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी यादराम यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 मई को वह अपने गांव से ट्रैक्टर का टायर लेने अपनी जेब में 39 हजार 5 सौ रुपए लेकर रायपुर आया था। घड़ी चौक से वह आटो में सवार होकर माता गैरेज पंडरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान आटो में पीछे बैठा एक व्यक्ति ने ऑटो में खराबी आने की बात कहकर आक्सीजोन गार्डन के पास चालक को ऑटो बंद करने कहा और फिर ऑटो को उससे धक्का लगवाया। इसी दौरान वह अचानक फरार हो गया। उसके जाने के बाद जब उसने अपनी जेब चेक की तो रुपए गायब मिले। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के 25 हजार रुपए बरामद कर ऑटो को जब्त किया है।

तिरंगा यात्रा के होर्डिंग के फ्रेम गिरने से दो कारें क्षतिग्रस्त

रायपुर। तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव चौक पर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के दौरान हादसा हो गया। इस कार्यक्रम के लिए लोहे के होर्डिंग लगाए जा रहे थे, जिसके फ्रेम अचानक गिर गए, जिससे दो कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। बताया जा रहा है कि घटना के समय कार में कुछ लोग भी सवार थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई है।

वाहन चालकों को यातायात नियमों की अनदेखी पड़ती है भारी

'रांग साइड ड्राइविंग' से वसूले सवा चार करोड़ नशेड़ी चालकों पर भी सवा दो करोड़ जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

अगर आप कोई भी वाहन चलाते समय यातायात नियमों को दरकिनार करने की गलती करते हैं तो अब कम से कम सावधान होने की जरूरत तो है ही। राज्य में पिछले साल एक-दो, चार नहीं, बल्कि 25 हजार से अधिक लोगों ने रांग साइड गाड़ी चलाई और कार्रवाई की जद में आ गए। ऐसे वाहन चालकों से पुलिस ने सवा चार करोड़ रुपए से अधिक जुर्माना वसूल किया है। इसी तरह अगर आप पीने के शौकीन हैं तो ये शौक भी सुरक्षित स्थान पर पूरा करें। अगर पीने का शौक पूरा करते हुए गाड़ी चलाई तो दंड मिलना तय है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले साढ़े सात हजार से अधिक वाहन चालक पुलिस के हत्थे चढ़े और उन्हें भी ढाई करोड़ रुपए जुर्माना भरना पड़ा।

छत्तीसगढ़ सुरक्षा परिदृश्य समीक्षा बैठक में पिछले दिनों पेश की गई अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा पुलिस मुख्यालय की एक रिपोर्ट से यह तथ्य सामने आया है कि राज्य में पिछले साल यातायात नियम तोड़ने वाले 25 हजार से अधिक वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दरअसल वाहन चलाते समय लोग यातायात के नियमों की जानबूझकर अनदेखी करते हैं, कुछ लोग अनजाने में भी गलती करती हैं, लेकिन आखिरकर उन्हें अर्थदंड भरना ही पड़ता है।

राज्यभर में हजारों वाहन चालकों से करोड़ों रुपए जुर्माना वसूला गया

इतने वाहन चालकों ने किया नियमों का उल्लंघन

राज्य में 2024 में रांग साइड गाड़ी चलाने के मामले में कुल मिलाकर 25 हजार 224 लोग पकड़े गए हैं। खास बात ये है कि ऐसे वाहन चालक पुलिस की नजर में आ गए। ऐसे कितने और चालक होंगे, जो गलत दिशा में गाड़ी चलाते हुए निकल गए। रांग साइड गाड़ी चलाते पकड़े गए लोगों से 4 करोड़ 57 लाख, 86 हजार, 700 रुपए अर्थदंड वसूला गया है। वहीं शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच पुलिस ब्रीथ एनॉलाइजर से करती है। इस जांच में साढ़े सात हजार से अधिक चालक फंसे और इनसे 2 करोड़ 25 लाख 48 हजार 600 रुपए जुर्माना वसूला गया।

और भी गलतियां, जिनसे बचना जरूरी, फंसे हैं हजारों

कोई भी गाड़ी चलाते समय ये सावधानी जरूरी है कि यातायात नियमों का पालन किया जाए। ऐसा नहीं करने वाले राज्य के हजारों लोगों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। ये गलतियां इस तरह की हैं, जैसे राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों पर अवैध पार्किंग, बिना हेलमेट दुपहिया चलाना, बिना सीट बेल्ट कार चलाना, निर्धारित गति से तेज गाड़ी चलाना, रेड सिग्नल जंप करना, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करना, जल्दबाजी में लापरवाही से गाड़ी चलाना, माल ढोने वाली गाड़ी से सवारी ढोना, बिना लायसेंस गाड़ी चलाना, प्रतिबंधित क्षेत्र यानी नो एंट्री में वाहन ले जाना, रंगीन फिल्म, कांच एवं पर्दे लगी गाड़ी चलाना, मालवाहक गाड़ियों में ओवरलोड, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना, क्षमता से अधिक भार लादना और बिना फिटनेस गाड़ी चलाना। ये सब नियम विरुद्ध काम है। राज्य में हजारों लोग ये गलतियां करते पकड़े गए और कुल मिलाकर करोड़ों रुपए का जुर्माना उन्हें भरना पड़ा है।

गायनी विभाग के वार्ड की फॉल सीलिंग गिरी, बड़ा हादसा टला

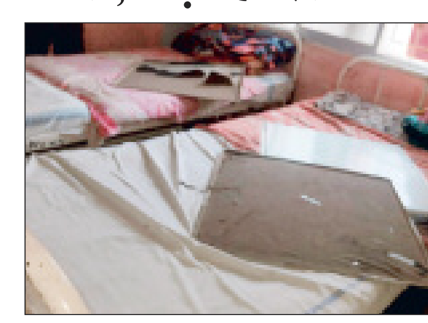

आंबेडकर अस्पताल के वार्ड-2 की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आंबेडकर अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में रविवार की सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। विभाग के वार्ड-2 में फैन के ऊपर की फॉल सीलिंग भरभराकर गिर पड़ी। जिस बेड पर फॉल सीलिंग का हिस्सा गिरा, सौभाग्यवश उस पर कोई मरीज नहीं था। बगल के बेड पर लेटी महिला ▶▶|शेष पेज 13 पर

मरीजों के परिजनों ने जताई नाराजगी

घटना के बाद वहां कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया और जानकारी मिलने पर अस्पताल स्टाफ तथा प्रबंधन के लोग वहां पहुंचे। इस दौरान वार्ड में भर्ती मरीजों के परिजनों ने अस्पताल की अव्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई, जो थोड़ी समझाइश के बाद शांत हो गए। अस्पताल के सूत्रों का कहना है कि भवन काफी पुराना हो चुका है और इसके रेनोवेशन की आवश्यकता है। कुछ समय पहले भवन की आवश्यक मरम्मत और रंगरोगन के लिए फंड भी दिए जाने की चर्चा हुई थी, मगर इस पर अब तक मैदानी स्तर पर काम दिखाई नहीं दे रहा है।

सो रहे भाई पर हथौड़ी से जानलेवा हमला, बहन ने देखा तो उसे भी मारने दौड़ाया

- दो दिन पहले बिजली बिल का भुगतान करने को लेकर हुआ था विवाद
- हालत चिंताजनक होने के कारण डीकेएस हास्पिटल रेफर किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के दुर्गा चौक अशोक नगर में शनिवार आधी रात को अपने कमरे में सो रहे व्यक्ति पर उसके बड़े भाई ने हथौड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना के दौरान घर में मौजूद बहन ने जब आरोपी को अपने भाई पर हमला करते देख लिया तो आरोपी ने उस पर भी हमला करने का प्रयास किया, लेकिन उसने भागकर अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं घायल व्यक्ति को अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बिजली बिल भरने को लेकर विवाद

गुढ़ियारी पुलिस के अनुसारख दुर्गा चौक अशोक नगर निवासी दुर्गा तिवारी का अपने बड़े भाई पुरुषोत्तम तिवारी के साथ बिजली बिल जमा करने को लेकर घटना के दो दिन पूर्व विवाद हुआ था। विवाद के बाद पुरुषोत्तम अपने छोटे भाई से बहुत ज्यादा चिढ़ने लगा था। इसी वजह से शनिवार रात करीब डेढ़ से 2 बजे के बीच पुरुषोत्तम अपने भाई के कमरे में गया और उस पर हथौड़ी से हमला करने लगा। इधर घर में शोर सुनकर उनकी बहन रुक्मिणी की आंख खुल गई। वह लाइट जलाकर जब दुर्गा के कमरे में पहुंची तो देखा कि दुर्गा पर पुरुषोत्तम हथौड़ी से हमला कर रहा है। यह देखते ही वह चिल्लाने लगी। तब पुरुषोत्तम हथौड़ी लेकर अपनी बहन को मारने के लिए लपका, इससे पहले कि वह वार कर पाता, रुक्मिणी घर के बाहर भागते हुए भारत माता चौक पहुंची। इसी दौरान वहां से गश्त पर निकली पुलिस पार्टी जा रही थी, जिसे रोककर उसने घटना की जानकारी दी। पुलिस ने इसके बाद रुक्मिणी के साथ घर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया तथा गंभीर रूप से घायल दुर्गा को पहले मेकाहारा ले जाया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक होने के कारण डीकेएस हास्पिटल रेफर किया गया है।

चैनल गेट का ताला तोड़कर अंदर पहुंची पुलिस

इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस पार्टी जब पुरुषोत्तम को पकड़ने उसके घर पहुंची तो उससे पहले ही उसने घर के मेन चैनल गेट पर ताला लगा दिया। पुलिस को घर के अंदर जाने के लिए ताला तोड़ना पड़ा। पुलिस इस मामले में बहन की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध धारा 109 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई कर रही है।

बारिश पर ब्रेक, पारा फिर पहुंचेगा 40 पार कुछ स्थानों पर ही होगी हल्की बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मई माह में मानसून सी बारिश का आनंद उठाने के बाद अब लोगों को जून में मई सी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों तक बारिश संबंधित गतिविधियों पर रोक रहेगी। इसका असर तापमान पर भी दिखेगा और इसमें 2 से 3 डिग्री तक वृद्धि संभावित है। ऐसे में कई जिलों का तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। बारिश थमते ही धूप निकलने के बाद रविवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री पर पहुंच गया। शनिवार को रायपुर का तापमाप 30.7 डिग्री था। इस तरह से मात्र 24 घंट में ही रायपुर के तापमान में 7 डिग्री की वृद्धि हो गई।

- धूप निकलते ही एक दिन में 7 डिग्री बढ़ गया रायपुर का तापमान

ना केवल रायपुर बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों में भी यही स्थिति रही है। बिलासपुर का अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री, अंबिकापुर का 35.8 डिग्री, दुर्ग का 36.6 डिग्री तथा राजनांदगांव का 37.5 डिग्री दर्ज किया गया। बिलासपुर प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। जबकि सबसे कम तापमान 21.2 डिग्री पेंड्रा रोड में दर्ज हुआ। वहीं रायपुर का न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री रहा।

हरिभूमि फॉलोअप

चल सकती है तेज हवा

मौसम विभाग ने 40 से 50 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। अंधड़ और वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। सोमवार को को एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। रायपुर में आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन भारी बारिश जैसी स्थिति निर्मित नहीं होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के मध्य भाग से लेकर बिहार के मध्य भाग, पश्चिम बंगाल, अमस के मध्य भाग से होते हुए अरुणाचल प्रदेश तक समुद्र तल पर एक द्रोणिका बनी हुई है। मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी, सैंडहेड द्वीप, बालुरघाट से होकर गुजर रही है।

कैबिनेट 4 को, खाद संकट सहित अन्य मुद्दों पर होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य कैबिनेट की बैठक 4 जून को मंत्रालय में रखी गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में प्रदेश में प्री-मानसून शुरू होने के बाद खरीफ फसल की बुआई और समितियों में खाद-बीज की उपलब्धता पर

चर्चा होगी। साथ ही पूरे प्रदेश की सहकारी समितियों में डीएपी सहित अन्य खाद के संकट को लेकर चर्चा होगी। प्रदेश में शिक्षा विभाग में युक्तियुक्तकरण को लेकर अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। वहीं राज्य में चलाए गए सुशासन तिहार अभियान में सभी मंत्रियों और विभागों द्वारा किए गए प्रकरणों के निराकरण पर भी कैबिनेट में चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे।

स्कूल सफाई कर्मियों की दो सूत्रीय मांगें, धरना देंगे आज 10 जून के बाद बेमुद्दत हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ स्कूल सफाई कर्मचारी संघ के आव्हान पर प्रदेशभर के स्कूल सफाई कर्मचारी 2 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल करेंगे। तीन चरणों में उन्होंने आंदोलन का ऐलान किया है। 2 जून को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में धरना दिया जाएगा।

- मांगें पूरी न होने पर 10 जून के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्य करने वाले 43301 अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों ने अपने 2 सूत्रीय मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 3 चरणों में वे आंदोलन कर शासन का ध्यान आकर्षित कराएंगे। इसकी शुरुआत 2 जून को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन से होगी। अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि 10 जून तक उनकी मांगें पूरी नहीं होने पर वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने बाध्य होंगे।

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में में पिछले 15 सालों से काम कर रहे अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों ने अंशकालीन से पूर्णकालिक करने और कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान करने की मांग रखी है। साथ ही युक्तियुक्तकरण न करने की मांग भी की है। उनका कहना है कि ▶▶|शेष पेज 13 पर

महंगाई के दौर में इतना कम मानदेय

उनका कहना है कि काम के एवज में प्रतिमाह केवल 3000 रुपए से लेकर 3400 रुपए तक मानदेय दिया जा रहा है, जो इस महंगाई के दौर में बहुत कम है। संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रदीप वर्मा ने कहा कि 2 सूत्रीय मांगों को लेकर 3 चरणों में हड़ताल करेंगे। इसके तहत 2 जून को प्रदेश के सभी ब्लॉक मुख्यालयों में अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी धरना देंगे। रायपुर विकासखंड के धरसींवा, अभनपुर और तिल्दा विकासखंड कार्यालय के सामने सोमवार को धरना दिया जाएगा। आंदोलन के दूसरे चरण में 6 जून को प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय में धरना देकर मुख्यमंत्री, सचिव स्कूल शिक्षा विभाग और संचालक लोक शिक्षण संचालनालय के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। 10 जून तक मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने बाध्य होंगे।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

पचेड़ा मे विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर दिया जागरूकता का संदेश

आरंग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचेड़ा मे विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समुदाय में तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाना था। प्राचार्य दिव्या सक्सेना के निर्देशन एवं जिला संयुक्त सचिव लीना वर्मा के नेतृत्व में यह प्रोग्राम किया गया। इस हेतु स्काउट्स एवं गाइड्स ने पोस्टर बनाए तथा इस संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर स्काउट मास्टर राजेश कुमार साहू, राहुल ध्रुव एवं गाइडर लीना वर्मा द्वारा स्काउट्स एवं गाइड्स को संबोधित किया गया। साथ ही सभी ने प्रण लिया कि तम्बाकू और इससे बने पदार्थो का सेवन नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके सेवन से बचाने में सहायता करेंगे। कार्यशाला के दौरान ब्लॉक सचिव रोहित वर्मा की विशेष उपस्थिति के साथ विद्यालय परिवार ने यह संदेश दिया कि तंबाकू के बिना जीवन सुंदर है और युवाओं को इस बुराई से बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

सेवानिवृत शिक्षक साथियों को बीईओ ने दी विदाई

आरंग। सेवानिवृत हुए आरंग विकासखंड के शिक्षा विभाग के कर्मचारी गण टोप कुमार साहू प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला दरबा संकुल बकतरा, मोहित राम बघेल प्रधान पाठक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरछा एवं आशा चौहान उच्च श्रेणी शिक्षक पूर्व माध्यमिक शाला नवागांव (झांझ) के अधिवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा ने त्वरित पहल करते हुए उन्हें पेंशन अदायगी आदेश प्रदान किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। जिससे सेवानिवृत शिक्षक साथी प्रसन्नता के साथ भावुक भी हो उठे और उन्होंने अपने शासकीय सेवा काल को याद करते हुए कहा कि वे भाग्यशाली है कि उन्हें बच्चों का भविष्य सवारने का अवसर मिला। इस अवसर पर बीईओ शर्मा ने कोश लेखा विभाग का भी आभार माना एवं सहायक ग्रेड 2 केशव डहरिया, घनश्याम रात्रे, गिरधर ढीढी,सहायक ग्रेड 3 पीडी मानिकपुरी एवं सेवानिवृत शिक्षक पुराणिक साहू, व्याख्याता भास्कर प्रसाद यादव, रामकुमार सिन्हा प्रधान पाठक, संकुल समन्वयकगण प्रहलाद शर्मा, मनोज मुछावर एवं खेमलाल वर्मा, सत्येंद्र शर्मा आदि की उपस्थिति रही।

सेवानिवृत्त पर सुंदर लाल को दी विदाई

आरंग। शनिवार को पीडब्ल्यूडी विभाग क्रमांक 4 आरंग में पदस्थ श्रमिक सुंदर लाल पटेल के सेवानिवृत्त होने पर विभागीय अधिकारियों व स्टाफ ने भावभीनी विदाई दिए। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग आरंग क्र 4 के एसडीओ केके शर्मा और उप अभियंता दिनेश राय ने सुंदर पटेल की सरल सहज व्यक्तित्व व व्यवहार की मुक्त कंठ से सराहना किए। साथ ही उनके कार्यशैली व अनुभव से अन्य कर्मचारियों को सीखने को कहा। तथा उनके पेंशन ग्रेच्युटी की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने को आस्वस्त भी किया। वहीं स्थल सहायक सुशील कुमार तिवारी ने बताया सुंदर पटेल दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के पद पर 28 वर्षो तक अपनी सेवा दी। सभी श्रमिकों ने सुंदर को श्रीफल व उपहार प्रदान कर उनके उत्तम स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना किए। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी विभाग के गेंग स्टाफ सहित पीपला फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल की उपस्थिति रही।

प्रदर्शन : चारागाह पर कब्जे को लेकर सरकार और 85 परिवारों में आर-पार की जंग

सम्मानपुर नकटी में जमीन पर संग्राम 56 एकड़ जमीन पर 85 परिवार का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| धरसींवा

छत्तीसगढ़ की राजधानी से सटे धरसींवा ब्लॉक का ग्राम पंचायत सम्मानपुर नकटी इस समय एक बड़े भू-विवाद के केंद्र में है। गांव की 56 एकड़ चारागाह भूमि पर करीब 85 परिवारों द्वारा कब्जे को लेकर राज्य सरकार और इन ग्रामीणों के बीच सीधी जंग छिड़ गई है। यह मामला अब सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि पुराने दावों, राजनीतिक बयानबाजी और मानवीय त्रासदी का एक जटिल जाल बन गया है। गांव में 85 परिवार अपने बच्चों के साथ सुबह से शाम तक एक भवन पर धरना दे रहे हैं, जिससे राजनीतिक सरगर्मियां लगातार बढ़ रही हैं। राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह 56 एकड़ भूमि सरकारी चारागाह के तौर पर दर्ज है, जिसका मतलब है कि यह राज्य की संपत्ति है। मौजूदा बाजार में इसकी कीमत अरबों रुपये आंकी जा रही है। सरकार ने इस बेशकीमती जमीन को छत्तीसगढ़ के अधिकारियों और विधायकों के लिए भविष्य के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु आरक्षित कर दिया है। प्रशासन ने इस 'अवैध कब्जे' को हटाने के लिए इन 85 परिवारों को तीन बार नोटिस जारी किए हैं। सरकार का यह कदम साफ दिखाता है कि वह अपनी संपत्ति पर किसी भी तरह के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं करेगी और उसे खाली कराने के लिए दृढ़ है।

कार्रवाई की जाएगी

सम्मानपुर नकटी में सरकारी जमीन को खाली कराने के लिए कब्जाधारियों को तीन बार नोटिस जारी हुई है जिसमें अब नियमानुसार कार्यवाही होगी।

नंद कुमार चौबे
एसडीएम रायपुर

पूर्वजों की दी हुई जमीन, हमारा ठिकाना

वहीं दूसरी ओर सम्मानपुर नकटी के यह 85 परिवार सरकार के फैसले का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। वे भावुक होकर कहते हैं कि यह जमीन उनके पूर्वजों ने सन 1940 में चारागाह के लिए 'दान' की थी, जिसे सिर्फ चारागाह के रूप में इस्तेमाल होना था पर अब परिवार बड़े होने के कारण इस पर काबिज हैं। वे इसे आज भी अपनी पारिवारिक भूमि मानते हैं और तर्क देते हैं कि गरीबी के कारण व अन्य विकल्प न होने के कारण वे इस पर मकान बनाकर रह रहे हैं। उनके लिए यह सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनकी पहचान, आजीविका और कई पीढ़ियों का बसेरा है। बेघर होने का डर उन्हें सता रहा है, और वे इसे 'सरकार द्वारा गरीबों पर अत्याचार' मान रहे हैं।

कब्जा बरसों से नहीं, बल्कि कुछ लोगों की देखा-देखी में बस गया गांव

यह भले ही दावा कि यह कब्जा बरसों पुराना है, पर यह पूरी तरह सच नहीं है। असल में, कुछ लोगों ने देखा-देखी में इस सरकारी चारागाह भूमि पर कब्जा करना शुरू कर दिया, जिसके बाद धीरे-धीरे यह जगह एक छोटे से गांव में बदल गई। सरकार भूमिहीन व्यक्तियों को ढाई डिसमिल जमीन देती है, लेकिन यहां लोगों ने दस हजार स्क्वायर फीट से लेकर आधा एकड़ तक जमीनों पर कब्जा कर रखा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह कब्जा सुनियोजित तरीके से किया गया है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और ओछी मानसिकता का प्रदर्शन

इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीतिक दल भी कूद पड़े हैं, जिससे यह मामला और गरमा गया है। कुछ विपक्षी पार्टियां ग्रामीणों के समर्थन में आकर भाजपा सरकार पर निशाना साध रही हैं, इसे 'जन विरोधी' और 'तानाशाही' करार दे रही हैं। हालांकि इस पर कुछ भाजपा नेताओं ने भी इसका जवाब दिया है। उनका कहना है कि पिछली कांग्रेस सरकार ने भी 2022 में छेड़ी खेड़ी में 146 परिवारों को बेदखल किया था, लेकिन तब उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया गया था। यह आरोप-प्रत्यारोप साफ दिखाता है कि यह मुद्दा अब राजनीतिकरण का शिकार हो चुका है, जहां दोनों प्रमुख दल एक-दूसरे पर उंगली उठा रहे हैं।

विधायक और सांसद पर आपत्तिजनक शब्दों से प्रहार

इस बीच, एक चिंताजनक बात यह भी सामने आई है कि धरने पर बैठे कुछ ग्रामीणों ने एक निजी चैनल के माध्यम से स्थानीय विधायक और सांसद पर आपत्तिजनक और अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। ग्रामीणों द्वारा इस तरह स्थानीय प्रतिनिधियों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर उन्हें बेइज्जत करने की कोशिश निश्चित रूप से एक ओछी मानसिकता को दर्शाता है। ऐसी घटनाएं इस गंभीर मुद्दे से ध्यान भटका सकती हैं और समाधान की राह को और मुश्किल बना सकती हैं, क्योंकि यह व्यक्तिगत द्वेष और राजनीतिक कटुता को बढ़ावा देती हैं। सुलगते सवाल और अनिश्चित भविष्य यह विवाद कई गहरे सवाल खड़े करता हैं।

भूमि का उपयोग और आबादी

56 एकड़ जैसी बड़ी जमीन पर केवल 85 परिवारों का कब्जा होना भी एक सवाल है। वहीं, लगभग 2600 की आबादी वाले नकटी गांव में, राजधानी से सटी यह अरबों की जमीन आज कैसे उपयोग की जानी चाहिए? क्या इतने बड़े सार्वजनिक संसाधन पर कुछ परिवारों का कब्जा नैतिक रूप से सही है?

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत चालक और मालिक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

■ लाश को छिपाकर तालाब में फेंक दिया था

मंदिर हसौद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नगपुरा में एक घर में मुरुम डाल रहे ट्रैक्टर के पलटने से उसमें बैठे 28 वर्षीय मंदबुद्धि सिमोन उर्फ सलिल वर्मा की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। इसकी जानकारी उसके परिजनों व ग्रामीणों को देने के बदले मौत की घटना को छिपाने लाश को रातों-रात जुगेसर के एक तालाब में डाल दिया। जानकारी मिलने पर थाना अमला ने जांच पश्चात नगपुरा निवासी ट्रैक्टर चालक 25 वर्षीय विजय मानिकपुरी सहित घटना छिपाने लाश को तालाब में फेंकने में सहयोगी अपने घर में मुरुम डलवा रहे नगपुरा के ही 43 वर्षीय गोवर्धन साहू व ट्रैक्टर मालिक चंदखुरी फार्म निवासी 38 वर्षीय देवीलाल वर्मा को गैर इरादन हत्या व साक्ष्य छिपाने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा105/238/3(5) के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पंजीबद्ध प्रथम सूचना पत्र के अनुसार 30 मई की सुबह ग्राम जुगेसर के बगधरा तालाब में एक लाश मिलने की जानकारी मिली। जिसकी शिनाख्ती सिमोन उर्फ सलिल वर्मा के रुप में हुई । विवेचना से पता चला कि बीते 29 जुलाई की शाम मृतक को मंदबुद्धि जानते हुये भी टैक्टर चालक उसे ट्रैक्टर में बिठा गोवर्धन साहू के घर आंगन में मुरुम ढुलाई कर रहा था। वहीं टैक्टर पलटने से चालक तो कूदकर बच निकला पर सिमोन की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। तीनों ने इस घटना को छिपाने लाश को रातोंरात जुगेसर के तालाब में फेंक दिया। मृतक ग्राम नगपुरा के सरपंच शशांक वर्मा का भाई था व ट्रैक्टर चालक ग्राम कोटवार का पुत्र है। ग्रामीण इस घटना को दुर्भाग्यजनक व हरि इच्छा ठहरा रहे हैं पर घटना की सूचना परिजनों व ग्रामीणों को न देने व घटना को छिपाने मृत शरीर को अन्य ग्राम के तालाब में ले जा डालने से वे आक्रोशित हैं।

नायब तहसीलदार राजेंद्र को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सिलयारी

धरसीवां तहसील के अंतर्गत उप तहसील सारागांव के नायब तहसीलदार राजेंद्र चंद्राकर 31 मई को सेवानिवृत्त हुए इस अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया । जिसमें मुख्य रूप से रायपुर एसडीएम नंदकुमार चौबे उपस्थित होकर चंद्राकर को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न भेंट किया। इस गरिमामय उपस्थिति में एसडीएम ने कहां कि राजेंद्र चंद्राकर 31 मई को अपने सेवाकाल के बाद प्रशासनिक सेवा से विदा ले रहे हैं। कार्यशैली, उनकी सरलता और जनता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रशासन हमेशा याद रखेगा। उनकी निष्ठा, ईमानदारी और कर्मठता ने प्रशासन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनकी कार्यशैली ने न केवल उनके सहयोगियों को प्रेरित किया, बल्कि आम जनता के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया है। राजेंद्र चंद्राकर जी के साथ काम करने का अनुभव हमेशा यादगार रहेगा। उनकी सरलता और सहृदयता ने हमें सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। हम उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखेंगे और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। राजेन्द्र चंद्राकर ने अपने विदाई भाषण में भावुक स्वर में कहा कि धरसींवा की जनता से जो अपनापन मिला वह जीवन भर याद रहेगा। सेवा काल में जनसंपर्क, समाधान और सहयोग मेरी प्राथमिकता रही। आज मैं संतुष्ट हूं कि मैंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से किया। इस अवसर धरसींवा तहसीलदार बाबूलाल कुर्रे, नायब तहसीलदार संदीप राजपूत , जंघेल सारागांव के नायब तहसीलदार ,रामप्रकाश साहू तहसील अध्यक्ष, पटवारी संघ धरसींवा दिलीप नायक, जितेंद्र पटेल, सोनवानी, बलराम ध्रुव, राजाराम पोटाई देवेन्द्र कर्ष प्रशासनिक पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय

अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर पेंशनधारी संघ की संगोष्ठी में साहित्यिक प्रस्तुति दी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तिल्दा नेवरा

लोकमाता रानी अहिल्याबाई की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा की नियमित मासिक बैठक प्रत्येक माह की अंतिम दिवस पर आयोजित की जाती है। 31 मई की बैठक के दिन लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें उनके परिपूर्ण प्रशासन व्यवस्था,आत्मनिर्भर समाज,और सुरक्षित समृद्ध समाज पर चर्चा की गई।

यह जानकारी देते हुए संघ के महासचिव अभिमन्यु वर्मा ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर महिला जागृति एवं सशक्तिकरण का ज्वलंत उदाहरण है। कवि, साहित्यकार गोपाल प्रसाद वर्मा ने लोकमाता के जीवन और समाज में उनके योगदान पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए समसामयिक रचना से सबको भावविभोर कर दिया। कृष्ण मुरारी वर्मा, टापलाल वर्मा, यशवन्त वर्मा ने भी इस विषय पर चर्चा करते हुए अपनी रचनाओं का वाचन किया। माह में पड़ता है। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के अध्यक्ष रामावतार पांडेय ने टापलाल वर्मा, टीकाराम वर्मा, घनश्याम वर्मा, रामशरण वर्मा और फत्तेलाल सिन्हा का गुलाल फल से सम्मानित करते हुए उनका मुंह मीठा कराया।

इनकी रही उपस्थिति

छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के अध्यक्ष रामावतार पांडेय ने लेवन प्रसाद वर्मा को संघ का कोषाध्यक्ष और घनश्याम वर्मा को सहकोषाध्यक्ष मनोनीत किया। इस कार्यक्रम में जवाहरलाल सिरमौर, तुलसीराम वर्मा,घनश्याम वर्मा, गोपाल वर्मा, यशवंत वर्मा, टापलाल वर्मा, एम. आर. साहू, रघुनंदन लाल शांडिल्य, ईश्वर प्रसाद वर्मा,आर. सी. वर्मा, एस. एन. गुप्ता,फेकूराम वर्मा,कृष्ण मुरारी वर्मा,घनश्याम वर्मा, हिन्छाराम निर्मल कर, हनुमान प्रसाद साहू, टीकाराम वर्मा,हेमकुमार धुरंधर दानीराम वर्मा, एम. पी. पांडेय,नकुलप्रसाद वर्मा, चिन्ता राम वर्मा सहित अनेक साथियों ने इस संगोष्ठी को सफल बनाने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

तंबाकू निषेध दिवस पर चला नशा मुक्ति अभियान और बांटे प्रशिक्षण प्रमाण पत्र

सिलयारी। सारडा एनर्जी एंड मिनरल सिलतरा के सहयोग से शनिवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत नेऊरडीह व सिलतरा में नशा मुक्ति जागृति अभियान के साथ नेऊरडीह में 35 बालिका व महिलाओं को सिलाई सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसके अलावा ग्राम टेकारी में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया । विशेष प्रशिक्षक आचार्य सालिक राम साहू गायत्री प्रज्ञापीठ हरिद्वार का उद्बोधन से सभी को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। इस दौरान प्रश्नोत्तरी के माध्यम से समस्या का समाधान बताया गया । सिलतरा में भी शांति रामकुमार वर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर धरसींवा जनपद अध्यक्ष शकुंतला दिलेंद्र सेन ,ब्लॉक कॉर्डिनेटर मितानिन परियोजना रुक्मणि साहू, अनिता साहू प्रेरक, मितानिन श्यामली बोश तथा ग्राम पंचायत नेऊरडीह सरपंच पार्वती बंजारे, विजय बंजारे, उपसरपंच रंजीत बंजारे, सारडा एनर्जी एंड मिनरल से सुरेंद्र लांजेवार, सुभानी, गौरी बोले, राहुल आडिल, भुनेश्वर तथा पंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका मितानिन विहान समुह के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ है ।

सुदर्शन जन सेवा समिति ने मनाई अहिल्या बाई जयंती

आरंग। बैहार शाखा में लोकमाता अहिल्या देवी होलकर की जन्म जयंती समारोह आयोजित की गई। इस अवसर पर अहिल्या माता के चित्र पर पुष्पअर्पित व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ नगर कार्यवाह मुरारी लोधी द्वारा किया गया। इस अवसर पर पार्षद सेवती तोषण साहू उपस्थित रही। मुख्य वक्ता के रूप में तेजराम जलछत्री ने अपने उद्बोधन में देवी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन में कर्तव्य सादगी धर्म के प्रति समर्पण राजनीतिक कुशलता एवम् अद्वितीय रण कौशल के बारे में जानकारी दी।

समाधान शिविर में ग्राम प्रतिनिधियों ने सचिव की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

जनपद पंचायत क्षेत्र आरंग अंतर्गत ग्राम पंचायत रीवा में पंचायत सचिव की लापरवाही को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पंचों ने समाधान शिविर में अपनी गहरी नाराजगी जताई।

सरपंच घसिया राम के नेतृत्व में पंचगणों ने पारागांव में आयोजित समाधान शिविर में पंचायत सचिव राजेश्वरी साहू के लगातार अनुपस्थित रहने और कार्यों में घोर लापरवाही बरतने की शिकायत जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आरंग आवेदन प्रेषित कर की। शिविर में उपस्थित अधिकारियों को सौंपे गए ज्ञापन में सरपंच व पंचों ने बताया कि ग्राम पंचायत में पेयजल की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। भीषण गर्मी में ग्रामवासियों को पीने के पानी के लिए भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है, परंतु बार-बार आग्रह के बावजूद सचिव द्वारा टैंकर की व्यवस्था नहीं कराई जा रही है।

राशन कार्ड व पेंशन फार्म भरने जैसे अति आवश्यक कार्य रुके हुए है जिससे पात्र हितग्राहियो को लाभ नही मिल पा रहा है।

ग्रामीणों ने कहा- प्लांट में नहीं है कोई सुरक्षा के उपकरण

करंट से श्रमिक की मौत, मुआवजा मांग को लेकर प्लांट के सामने ग्रामीणों ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तिल्दा नेवरा

तिल्दा के समीपस्थ ग्राम पंचायत छपोरा भींभौरी में स्थित गुरुदेव अब्रेसिव प्लांट में करंट के चपेट में आने से युवक की हुई मौत। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को हटाया गया। शनिवार को छपोरा भींभौरी स्थित गुरुदेव एब्रेसिव प्लांट में काम करते समय हर्ष यादव उम्र 22 वर्ष ग्राम रजिया निवासी का करंट लगने से मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने प्लांट के सामने धरना प्रदर्शन कर शव को रखकर उचित मुआवजे की मांग की रविवार को ग्रामीणों सहित जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के लोग भी वहां उपस्थित हो गए और गुरुदेव प्लांट के सामने उचित मुआवजा की मांग को लेकर शव को रखकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा था। इस बीच रायपुर से भारी संख्या में पुलिस बल ग्रामीण एसपी कीर्तन राठौर सहित एडिशनल एसपी, सीएसपी सहित भारी संख्या में थानेदार एवं भारी संख्या में महिला पुरुष पुलिस बल उपस्थित हुए, एसडीएम, तहसीलदार भी उपस्थित थे। ग्रामीणों को समझाइए दी गई। प्लांट प्रबंधन द्वारा 3 लाख देने की बात कही जा रही थी जिसमें ग्रामीण व परिजन मान नहीं रहे थे। अंत में प्लांट प्रबंधन द्वारा 10 लाख रु. एवं तत्कालीन सहायता 50000रु. की घोषणा की। इसी बीच पुलिस वालों ने धरने पर बैठे ग्रामीणों को वहां से उठने कहा ग्रामीण मान नहीं रहे थे। इसके बाद सभी को बसों में बैठाया गया और विधानसभा थाना ले जाया गया। इधर शव को एंबुलेंस में तिल्दा चिरघर भेजा गया।

10.50 लाख रुपए मुआवजा पर बनी सहमति

नेवरा थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह श्याम भी वहां पहुंचे और प्लांट प्रबंधन के सहयोग करने पहुंचे दूसरे प्लांट के अधिकारियों के साथ बातचीत हुई जहां मृतक के परिजनों को 10 लख रुपए का चेक एवं तत्कालीन सहायता 50000 रु. की राशि दी जा रही है। इधर ग्रामीणों ने बताया कि प्लांट प्रबंधन के द्वारा प्लांट में सुरक्षा के कोई उपकरण नहीं रखे गए हैं। साथ ही मजदूरों से कई कई घंटे तक काम लिया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि संयंत्र प्रबंधन मजदूरों का शोषण कर रहा है । वही शव को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण महिला पुरुषों को विधानसभा थाना ले जाया गया है।

तिल्दा में सदगुरु कबीर साहब का प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया

तिल्दा नेवरा। सदगुरु कबीर साहब का प्रगट उत्सव तिल्दा में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। खूब मजे से संत जनों व राहगीरों ने प्रसाद व शरबत का आनंद लिया। सारे तीरथ धाम आपके चरणों में, हे गुरुदेव प्रणाम आपके चरणो में, आज मेरे सरकार आए हैं, जैसे अनेक भजनों ने सोए मन को जागृत कर दिया। कार्यक्रम में पधारी नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा ने मानुष जीवन अनमोल रे, गाकर सबको सजग रहने का संदेश दिया, सभापति रानी सौरभ जैन ने भी साहब कबीर की साखी व दोहे की सराहना की, जिन्हें सदगुरु कबीर साहब की तस्वीर भेंट कर समिति के अध्यक्ष लालू राम साहू द्वारा अभिनंदन किया गया । उक्त कार्यक्रम में जीवनदास मानिकपुरी के द्वारा गाए गए भजन सराहे गए, संतोषी भूषण मानिकपुरी के साथ ही साथ ग्राम सरोरा के आमीन माता व काया खंड भजन मंडली के गायक मोहन साहू एवं साथियों द्वारा भी अनेक भजन प्रस्तुत किए गए जिसमें श्रद्धालु पुरी तन्मयता से डूबे रहे । शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि कबीर का ज्ञान मानव में मानवता व प्रेम का पाठ सिखाता है। प्रसाद व शरबत वितरण का कार्यक्रम दिन भर चलता रहा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महंत चेतू दास, परमानंद साहेब, कुंज दास, खूब दास वैष्णव, लालू राम साहू, मानसिंह साहू , रमेश साहू , खिबी साहू , धर्मेंद्र दास भूपेंद्र दास मानिकपुरी, यशवंत पाल, प्रहलाद साहू , मानदास, कामराज, उपस्थित रहे।

चकल्लस

कुपोषित बच्चों का चिरंजीवी सेंटर

कुपोषित बच्चों को तंदुरुस्त बनाने के लिए सेरीखेड़ी में स्थित चिरंजीवी सेंटर इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। अस्थायी केंद्र को तैयार करने के लिए लाखों रुपए खर्च किए गए हैं। स्वास्थ्य, जिला प्रशासन के साथ इस चिरंजीवी सेंटर की व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई विभागों को जिम्मेदारी दी गई है, मगर मीडिया को इससे दूरी बनाए रखने पूरी चौकसी बरती जा रही है। लाख कोशिशों के बाद भी भीतर की खबर बाहर आई है कि कुपोषण के पैमाने पर 150 बच्चों का विभागीय स्तर पर चयन किया गया था, जिनमें से 35 बच्चों को माता-पिता ने कमजोर मानने से इंकार कर दिया और लंबी बहस के बाद चिरंजीवी सेंटर से लामा ले ले गए।

विवाद के बाद समीक्षा का दौर

प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल में पिछले दिनों सुरक्षा मामले में हुए द्वंद्व के बाद विभिन्न स्तर पर समीक्षा का दौर जारी है। घटना की वास्तविक वजह का पता लगाने कई पहलुओं पर जांच हो रही है। साथ ही अस्पताल की खामियों का पता लगाकर उसे उच्चस्तर पर दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में जिम्मेदारी तय होने का साथ कार्रवाई की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। इससे अहम बात यह है कि घटना के बाद डॉक्टरों सहित तमाम चिकित्सकीय स्टाफ को मीडिया से दूरी बनाए रखने की सलाह भी दी गई है।

अजी...गाली दे रहा है

अपहरण वेब सीरीज देखी है आपने? नहीं देखी तो चिंता का विषय नहीं है। इसके गाली वाले सीन आप लाइव देख सकते हैं। इसके लिए आपको किसी विद्यालय का प्राचार्य होना जरूरी है। रायपुर दसवीं के परीक्षा परिणामों में नीचे से दूसरे नंबर पर रहा है। खूब किरकिरी हो रही है और इसका मेकअप करने के लिए बैठकें हो रही हैं और नई-नई योजनाएं बन रही हैं। बीते दिनों प्राचार्यों की एक बैठक हुई। इसमें जिले के प्राचार्यों सहित शिक्षा विभाग और कलेक्टर कार्यालय के कई अधिकारी भी शामिल हुए। वे इतने ताव में गए कि प्राचार्यों को बीच सभा गाली ही दे डाली। प्राचार्यों ने बैठक में तो कुछ नहीं कहा, लेकिन व्हॉट्सऐप ग्रुप में जो भड़ास निकाली वो पूछिए ही मत।

अच्छा है... ये कर लो पहले

देखिए...गुरुओं का हम आदर करते हैं, लेकिन चकल्लस तो उनके जीवन में भी होता ही है ना? अब युक्तियुक्तकरण वाले आदेश को ही ले लीजिए। अच्छी-खासी जिंदगी चल रही थी। चुनाव खत्म होते ही ऑर्डर टपक पड़ा और वर्कलोड बढ़ गया। गुरुजी तो ठहरे गुरुजी। उन्होंने भी तय कि अन्याय के विरूद्ध आवाज उठाएंगे। फिर क्या था, जुट गए सब के सब। क्लासरूम में बच्चों को पढ़ाने वाला सबक-'एकता में बल होत है' वे खुद ही भूल गए। प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन में पूरे 23 संघ एक साथ शामिल हुए। इनमें से कई संघ प्रमुखों के आपसी संबंध तो इतने मित्रतापूर्ण है कि क्या ही बताएं। एक-दूजे को देखकर मुंह फूलाते घूम रहे थे। झल्लाए हुए प्रदर्शनकारी शिक्षक भी कहते रहे-अच्छा है, ये ही कर लो पहले।

सूखे में बाढ़ नियंत्रण

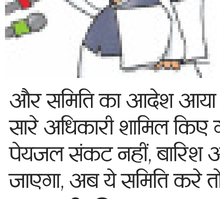

सिस्टम की अपनी मजबूरी होती है। अतीत भी देखना है, वर्तमान भी और भविष्य भी। अब नगरीय प्रशासन विभाग की मजबूरी समझिए। मई के अंतिम दिनों में दो आदेश निकाले। एक आदेश में पेयजल निवारण के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया। इस समिति में सचिव स्तर के अधिकारी अध्यक्ष और संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी सदस्य बनाए गए। इनको पेयजल संकट के निपटने का जिम्मा दिया गया। इसी आदेश के साथ एक और समिति का आदेश आया जो बाढ़ नियंत्रण के लिए है। इसमें भी वहीं सारे अधिकारी शामिल किए गए हैं। अब सवाल ये है कि गर्मी खत्म, पेयजल संकट नहीं, बारिश अभी आई नहीं, बाढ़ जब आएगी तो देखा जाएगा, अब ये समिति करे तो क्या करे।

असली तिहार

छत्तीसगढ़ सरकार का सुशासन तिहार समाप्त हो गया। लाखों की समस्याओं का निवारण हो गया। लाखों की मांगें पूरी हो गईं। सबको कुछ न कुछ मिल गया। सब खुश हैं। नेता इसलिए क्योंकि जनता के बीच जाने का अवसर मिला, उदघाटन और भाषण हुए। अफसर इसलिए क्योंकि पिंड छूटा और जनता इसलिए क्योंकि नेताजी खुद चलकर आए। हंसी खुशी सब निपट गया। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी मिली कोल घोटाले के आरोपियों को। उन्हें लंबे अर्से बाद उन्हें जेल से मुक्ति मिली। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत भले दो दिन पहले ही दे दी थी लेकिन रिहा हुए तिहार के समापन वाले दिन। असली तिहार उन्होंने ही मनाया।

पल्ला झाड़कर, दिया छप्पर फाड़कर

प्रदेश में धान भंडार से सारे गोदाम भरे हुए हैं। हालत यह है कि चावल रखने की जगह ही नहीं बची है। ऐसे में अफसरों ने अच्छा दिमाग लगाया। हितग्राहियों को एक साथ वितरित कराने का नया सुझाव अफसरों ने दिया। तर्क था कि राशन दुकानों में चावल का स्टाक भेज दिया जाए तो बरसात में पूरा चावल खप हो जाएगा। गोदामों की कमी पड़ रही है, उसका टेंशन कम हो जाएगा। खबरी ने कहा यह वैसा ही है कि अपना पल्ला झाड़कर दिया छप्पर फाड़कर। क्योंकि बहुत से गरीबों के पास झोपड़ी है। बारिश में वे सवा क्विंटल कहां रखेंगे।

कुम्हारी टोल पर सरकारी दादागिरी

कहते हैं कि सिस्टम नियम और कानून से चलता है। सरकार कानून और नियमों की निगहवान होती है। लेकिन जैसे ही कुम्हारी टोल नाका का जिक्र आता है कानून, नियम और सरकार शीर्षासन करते नजर आते हैं। मतलब क्या ही कहें। नियम है कि सड़क बनाने का खर्च निकल जाए तो टोल बंद करना है। इतना पैसा वसूल हो चुका है कि उससे दूसरी सड़क बन सकती है।मजाल है कि टोल टस से मस जा जाए। बेशर्मी से वसूली जारी है। नियम है कि साठ किलोमीटर के दायरे में दो टोल नाके नहीं होंगे। रायपुर के आसपास कई खड़े हैं और वसूली कर रहे हैं। जनता हाहाकार कर रही है लेकिन मजाल है कि किसी के कान पर जूं रेंग जाए। सरकारी दादागिरी है, कोई क्या कर लेगा।

स्कैन वाले हस्ताक्षर से काम

प्रदेश भाजपा संगठन के दो महामंत्रियों को दूसरी कुर्सी मिल गई है। एक महामंत्री जहां नान के अध्यक्ष बन गए हैं, वहीं एक महामंत्री जो कि महामंत्री के साथ मुख्यालय के भी प्रभारी हैं, वे धमतरी के महापौर बन गए हैं। ऐसे में संगठन के सामने यह समस्या खड़ी हो गई है कि कोई भी आदेश निकाला जाता है तो उस पर मुख्यालय प्रभारी के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। लेकिन अब हर आदेश में हस्ताक्षर लेने के लिए महामंत्री के पास धमतरी तो जाया नहीं जा सकता है, इसलिए अब मजबूरी में स्कैन किए गए हस्ताक्षर से ही काम चलाना पड़ रहा है। प्रदेश की नई कार्यकारिणी भी लंबे समय से अटकी हुई है। इसके लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। जब तक किसी को नए मुख्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी नहीं मिलती है, तब तक स्कैन वाले हस्ताक्षर का ही सहारा लेना पड़ेगा।

आंय-बांय और सांय...

गलियारे में अपोजिशन वाले भुनभुना रहे थे कि जब से उनकी सरकार गई, तब से पहले जैसे पूछपरख ही नहीं रही। ऊपर से लेकर नीचे तक कोई सुनता ही नहीं। चेहरा देखकर फाइल बढ़ाने का सिस्टम लागू हो गया है, ऊपर से कहते फिर रहे, यहां धड़ाधड़ काम हो रहा है। दूसरे ने कहा, क्या खाक काम हो रहा है, दो जगह की फाइल बनाकर भिजवाई , महीनेभर से चक्कर काट रहा हूं, मेंबर न हुआ कोल्हू का बैल हो गया। बगल वाले मेंबर मजे मार रहे हैं, कुछ नहीं आंय- बांय, सांय काम हो रहा है। अब तो कह भी नहीं सकते, सुनेगा कौन।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

प्राचार्य तय करेंगे-छात्र गणित का कठिन स्तर पढ़ने योग्य है या नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से 10वीं कक्षा में बेसिक मैथमेटिक्स पढ़ने वाले छात्रों को 11वीं कक्षा में स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स चुनने की अनुमति दी है। इस बदलाव ने उन छात्रों के लिए नए अवसर खोले हैं जो पहले केवल एप्लाइड मैथमेटिक्स तक सीमित थे, लेकिन इसके साथ हीर सीबीएसई ने कुछ शर्तें भी रखी हैं। स्कूलों के प्रमुखों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दसवीं कक्षा में बेसिक मैथमेटिक्स लेने वाले छात्र यदि 11वीं में स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स लेना चाहता है तो उक्त छात्र में विषय की जटिलता को संभालने की योग्यता और शैक्षणिक तैयारी हो। स्कूलों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे इस बदलाव की जानकारी पैरेंट्स और छात्रों तक पहुंचाएं ताकि वे लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स को भरते समय सूचित निर्णय ले सकें। एक बार एलओसी में विषयों का चयन हो जाने के बाद, कोई बदलाव संभव नहीं होगा। 11वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्रों की सूची अर्थात लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स स्कूलों द्वारा सीबीएसई को भेजी जाएगी। इसके आधार पर ही 12वीं कक्षा में कैंडिडेट्स को परीक्षा में बैठने की अनुमति बोर्ड प्रदान करता है।

10वीं में बेसिक मैथ्स लेने वाले छात्रों को स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स चुनने की अनुमति

अलग खबर

महामारी के दौरान शुरू हुआ था यह नियम

छात्रों को यह छूट कोरोना महामारी के दौरान दी गई थी, जिसमें बेसिक मैथमेटिक्स के छात्रों को हायर क्लास में स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स चुनने की अनुमति दी गई थी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक राष्ट्रीय शैक्षिक पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ-एसई) के तहत नई अध्ययन योजना लागू नहीं हो जाती। गौरतलब है कि सीबीएसई ने 2019-20 शैक्षणिक सत्र में दो स्तर के मैथमेटिक्स सिस्टम की शुरुआत की थी, ताकि छात्र अपनी रुचि और भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं के आधार पर विषय चुन सकें। स्टैंडर्ड मैथमेटिक्स उन छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है जो उच्च शिक्षा में गणित को जारी रखना चाहते हैं, जबकि बेसिक मैथमेटिक्स उन लोगों के लिए है जो 10वीं कक्षा के बाद इस विषय को छोड़ना चाहते हैं।

पूरक परीक्षाओं के लिए पंजीकरण प्रारंभ

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की पूरक परीक्षाओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया कर दी गई है। इसके लिए 17 जून तक आवेदन किए जा सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी जो 10वीं या 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उपस्थित हुए थे और जिन्हें 'कम्पार्टमेंट' श्रेणी में रखा गया था, वे पूरक परीक्षाओं के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। इसके अलावा जो पहले ही उत्तीर्ण हो चुके हैं, लेकिन किसी विषय में अपने अंकों में सुधार करना चाहते हैं, वे भी पंजीकरण करा सकते हैं। गौरतलब है कि कम्पार्टमेंट वाले नियमित छात्रों को पूरक परीक्षाओं के लिए अपने संबंधित स्कूलों के माध्यम से आवेदन करना होगा, व्यक्तिगत रूप से नहीं। जबकि प्राइवेट छात्र सीबीएसई की वेबसाइट में जाकर आवेदन करेंगे।

2025-26 के सत्र में प्रदेश में प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 20 हजार पंप लगाने का लक्ष्य

साढ़े तीन लाख के सोलर कृषि पंप के लिए किसानों को देने होंगे महज 10 से 20 हजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के किसानों को कृषि के लिए सोलर पंप भी लगाकर दिए जा रहे हैं। साढ़े तीन लाख कीमत के पांच एचपी के सोलर पंप के लिए किसानों को महज 10 से 20 हजार रुपए ही अपनी जेब से देने पड़ते हैं। इन पंपों के लिए केंद्र सरकार से सब्सिडी मिलती है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के पास प्रदेश के किसानों के खेतों में प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 20 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से प्रस्ताव की मंजूरी के बाद क्रेडा खेतों में पंप लगाने का काम करेगा। प्रदेश में अब तक एक लाख साठ हजार सोलर पंप लगाए जा चुके हैं।

प्रदेश में किसान खेती के लिए कृषि पंप लगाने का काम करते हैं। ज्यादातर कृषि पंप तो बिजली से चलने वाले लगाए जाते हैं, लेकिन प्रदेश में कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर बिजली की सुविधा न होने पर या किसानों के खेतों के पास बिजली के ट्रांसफार्मर और खंबे न होने के कारण कृषि पंप लगाने के लिए करीब 9 साल पहले प्रदेश में भाजपा की सरकार के समय सोलर पंप लगाने की योजना का प्रारंभ किया गया था। तब सौर सुजला योजना के माध्यम से सोलर कृषि पंप लगाने का काम किया गया। उसी समय प्रदेश में बहुत ज्यादा सोलर कृषि पंप लगाए गए। पहले इसके लिए उन क्षेत्रों को ही चुना गया था जिन गांवों में बिजली नहीं पहुंच सकी थी, लेकिन बाद में ऐसे क्षेत्रों को भी चुना गया, जहां पर कृषि पंप लगाने के लिए पर्याप्त बिजली की सुविधा नहीं थी। अब सोलर पंप लगाने का काम केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत किया जा रहा है।

20 पंप हजार

नए सत्र 2025-26 में प्रदेश में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 20 हजार सोलर पंप लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को दिया गया है।

- **भूपेंद्र सवन्नी,** अध्यक्ष क्रेडा

हर वर्ग के लिए अलग शुल्क

सोलर कृषि पंप लगाने का काम क्रेडा द्वारा किया जाता है। इसके लिए अलग-अलग वर्ग के लिए शुल्क भी अलग-अलग तय है। तीन एचपी तक के कृषि पंप की लागत 255925 रुपए आती है। यह पंप लगाने पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को महज सात हजार रुपए देने पड़ते हैं। ओबीसी को इसके लिए 12 हजार और सामान्य वर्ग को 18 हजार रुपए देने पड़ते हैं। इसके अलावा तीन हजार रुपए प्रोसेसिंग शुल्क लगता है। पांच एचपी के कृषि सोलर पंप की लागत 351614 रुपए आती है। इसके लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को महज 10 हजार, ओबीसी को 15 हजार और सामान्य वर्ग को 20 हजार देने पड़ते हैं। इसके लिए प्रोसेसिंग शुल्क 48 सौ रुपए अलग से देना पड़ता है।

खारुन को बचाने सोमनाथ घाट से क्रांति सेना की पदयात्रा शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी समेत रायपुर की जीवनदायिनी खारुन नदी को बचाने छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने रविवार 1 जून से पदयात्रा की शुरुआत की। इस दौरान खारुन और शिवनाथ नदी के संगम स्थल सोमनाथ घाट लखना में मेले जैसा माहौल रहा। खारुन नदी की दुर्दशा देखकर सबके मन में आक्रोश था। नदी के पुनर्जीवन का संकल्प लेकर वहां क्रांति सेना ने पर्यावरणविदों समेत सैकड़ों ग्रामीणों के साथ भगवान सोमनाथ पर जलार्पण करके पांच दिवसीय खारुन दाई आजादी पदयात्रा की शुरुआत की। यात्रा का उद्देश्य खारुन जल का भयानक औद्योगिक दोहन रोकना, नदी को प्रदूषण से मुक्ति दिलाना एवं प्राकृतिक जैविक चक्र को पूर्ववत पुनर्जीवित करना है। इस पदयात्रा में क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय यादव सहित सैकड़ों क्रांति सैनिक शामिल हैं। यह यात्रा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को महादेवघाट रायपुर पहुंचकर समाप्त होगी।

गडकरी का आश्वासन- जल्द ही बंद करेंगे कुम्हारी टोल प्लाजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिले विकास

दुर्ग जिले में स्थित कुम्हारी टोल प्लाजा एक बार फिर सुर्खियों में है। कांग्रेस नेताओं की तरफ से इस टोल प्लाजा को बंद करने की मांग काफी समय से की जा रही है। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने इस मुद्दे पर केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर टोल प्लाजा बंद कराने की मांग रखी है। कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने नागपुर में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कुम्हारी टोल प्लाजा बंद कराने की मांग की। उन्होंने श्री गडकरी से चर्चा के दौरान यह मांग की कि नियमानुसार 60 किलोमीटर के दायरे में दो टोल प्लाजा का संचालन नहीं होना चाहिए, लेकिन छत्तीसगढ़ में इन नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कुम्हारी टोल प्लाजा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में ऐसे कुछ और टोल प्लाजा हैं, जो 60 किलोमीटर के दायरे में आते हैं।

गडकरी ने दिया आश्वासन

उन्होंने बताया कि 60 किलोमीटर के दायरे में इस तरह के टोल प्लाजा का संचालन हो रहा है, हमने मंत्री नितिन गडकरीजी को ये सब बताया। उन्होंने हमारी बातों को गंभीरता से सुना, साथ ही आश्वासन दिया कि बहुत जल्द कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के अन्य टोल प्लाजा की भी जानकारी मंगाकर फैसला लेने की बात कही है।

...तो जंतर-मंतर पर देंगे धरना

कुम्हारी टोल प्लाजा के संबंध में कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने कहा, हमारी पार्टी ने लगातार कई वर्षों से इस टोल प्लाजा को बंद करने की मांग को लेकर आंदोलन छेड़ रखा है। एनएचएआई के दफ्तर का घेराव, छत्तीसगढ़ के बीजेपी सांसदों को समर्थन हेतु पत्र और जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाकर इसे बंद करने आंदोलन किया गया। हमने टोल प्लाजा के पास विरोध प्रदर्शन भी किया। अगर अब भी सरकार इस पर फैसला नहीं लेती है तो कांग्रेस पार्टी दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना देगी। परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के आवास के बाहर भी हम विरोध प्रदर्शन करेंगे।

पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी 5 को

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति की ओर सोसाइटी द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में 5 जून को शाम 5.30 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी सोसाइटी के अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में पर्यावरण से संबंधित जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

निगम ने 40 अवैध गुमटियों को हटाया

रायपुर। टीम प्रहरी के अभियान के तहत नगर निगम के उड़नदस्ता टीम ने जोन 9 क्षेत्र में विधानसभा मार्ग में शंकर नगर टर्निंग से जीरो पॉइंट विधानसभा मुख्य मार्ग तक अभियान चलाकर सड़क पर कब्जा जमाकर व्यवसाय कर रहे लगभग 40 अवैध गुमटियों को हटाने की कार्रवाई की। टीम ने जेसीबी की मदद से इन गुमटियों को हटाया।

राष्ट्रीय महिला आयोग की जनसुनवाई 5 जून को

रायपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग जिले में जनसुनवाई "आपके द्वार" आयोजन करने जा रहा है। यह जन सुनवाई 5 जून को रायपुर कलेक्टोरेट परिसर के रेडक्रास सभाकक्ष में दोपहर 1 बजे से होगी। इसी दिन अपरान्ह 3 बजे से रेडक्रास में जिले की स्थानीय समिति के सदस्यों के साथ आयोग की बैठक होगी।

शहर जिला भाजपा के सभी मंडलों की कार्यकारिणी फाइनल, चार का ऐलान भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- मंडलों की टीम का जिला और जिले की टीम का प्रदेश संगठन करेगा अनुमोदन

प्रदेश भाजपा संगठन के चुनाव के बाद अब मंडल स्तर से कार्यकारिणी बनाने का काम चल रहा है। रायपुर शहर जिले में इस बार से 16 के स्थान पर 20 मंडल कर दिए गए हैं। पुराने 16 मंडलों की कार्यकारिणी पहले तय की गई। इसके बाद चार मंडलों का इंतजार किया गया। सभी मंडलों की कार्यकारिणी जिला संघ के पास आने के बाद अब सभी मंडलों की कार्यकारिणी को फाइनल कर दिया गया है। इसमें से चार मंडलों की कार्यकारिणी का ऐलान भी गया है। बचे 16 मंडलों की कार्यकारिणी के अगले सप्ताह ऐलान के बाद इसी माह जिले की कार्यकारिणी बनाने की कवायद प्रारंभ होगी। जिले की टीम को अनुमोदन के लिए प्रदेश संगठन के पास भेजा जाएगा। प्रदेश भाजपा संगठन में बूथ कमेटियों के गठन, मंडलों और जिलों के चुनाव दिसंबर में समाप्त हो गए। इसके बाद भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का भी चुनाव 17 जनवरी को हो गया। इसके बाद फरवरी तक तो कार्यकारिणी को लेकर कोई कवायद नहीं हुई, लेकिन मार्च में पहले मंडल और जिलों की कार्यकारिणी बनाने का फैसला किया गया। मार्च में मंडलों की कार्यकारिणी पूरी न होने पर अप्रैल का समय दिया गया तो भी कार्यकारिणी नहीं बन सकी। इसके बाद मई में मंडलों की कार्यकारिणी बनाने की कवायद तेज की गई। रायपुर शहर के सभी मंडलों की कार्यकारिणी मई में तय हो गई है। अब इस माह सिर्फ ऐलान किया जा रहा है।

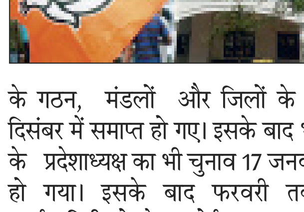

अब जिले की कार्यकारिणी की कवायद

प्रदेश भाजपा के पहले प्रदेश में 405 मंडल थे, इनमें इजाफा कर अब 476 मंडल बना दिए गए हैं। रायपुर शहर में पहले 16 मंडल थे, इसमें इजाफा कर अब 20 मंडल कर दिए गए हैं। रायपुर के मंडल अध्यक्षों का ऐलान भी बहुत देर से हुआ है। अब मंडलों की कार्यकारिणी फाइनल हो गई है। शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के मुताबिक जिला संगठन के पास 20 मंडलों की कार्यकारिणी का अनुमोदन करके उसको फाइनल कर दिया गया है। चार-चार करके कुछ दिनों में मंडलों की कार्यकारिणी का ऐलान कर देंगे। इसके बाद जिले की कार्यकारिणी बनाने का काम प्रारंभ होगा।

बिरसा मुंडा, रानी अबक्का और छात्रावास सर्वेक्षण पर केंद्रित अभियान चलाएगी विद्यार्थी परिषद

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर मीसाबंदियों से मिलेगी एबीवीपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- तीन दिनों तक चली बैठक में लिए गए निर्णय विद्यार्थी परिषद ने किए सार्वजनिक

राजधानी में तीन दिनों तक एबीवीपी की राष्ट्रीय कार्यकारी की बैठक हुई। सभी दिन कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए, जिस पर गंभीर चर्चा के बाद कई नए नियम और योजनाओं को पारित किया गया। इन योजनाओं और प्रस्तावों से संबंधित जानकारी एबीवीपी द्वारा रविवार को साझा की गई। एबीवीपी की राष्ट्रीय बैठक में यह तय किया गया है कि आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के संदर्भ में 25 जून से आगामी दो वर्षों तक विश्वविद्यालय परिसरों में पूर्व कार्यकर्ताओं एवं मीसा बंदियों के साथ संवाद, रैली एवं स्मरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रविवार को जीई रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में एबीवीपी के पदाधिकारियों ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर उनके जीवन एवंयोगदान पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अखिल भारतीय स्तर पर छात्रावासों का सर्वेक्षण, पुस्तकों का प्रकाशन तथा उनके जन्मस्थल की मिट्टी से पूजन एवं यात्रा जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। गौरतलब है कि अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक 29 से 31 मई तक इंदिरा गांधी कृषि विवि में संपन्न हुई। इस तीन दिवसीय बैठक में देशभर के 478 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

साहित्य निर्माण जैसे कार्यक्रमों का होगा आयोजन

अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही ने राष्ट्रीय कहा, शिक्षा को केवल ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाने की आवश्यकता है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल है। रानी अबक्का जी की 500वीं जयंती के उपलक्ष्य में विविध आयोजनों की योजना है। यशवंतराव जी की जन्म शताब्दी पर प्रांत केंद्रों पर पूर्व कार्यकर्ता एकत्रीकरण, अभ्यास वर्ग, भाषण, प्रदर्शनी एवं साहित्य निर्माण जैसे कार्यक्रम किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, संघ शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक कार्य विस्तार एवं कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रहेगा तथा 'पंच परिवर्तन' के आह्वान के साथ संकल्पबद्ध अभियान चलाया जाएगा।

संगठन की व्यापक स्वीकार्यता

राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, अभाविप की सदस्यता लगभग 60 लाख के करीब हो गई है, जो युवाओं के बीच संगठन की व्यापक स्वीकार्यता का प्रमाण है। संगठन ने शिक्षा, पर्यावरण, खेल, उद्यमिता और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर रचनात्मक हस्तक्षेप करते हुए विविध स्तरों पर प्रभावशाली कार्यक्रम चलाए हैं। रायपुर बैठक में लागू की गई पर्यावरणीय पहल जैसे प्लास्टिक मुक्त परिसर, शून्य खाद्य अपव्यय और जैविक अपशिष्ट प्रबंधन, यह सिद्ध करते हैं कि अभाविप नवाचारशील और उत्तरदायी छात्र संगठन है। यह बैठक विचार, संवाद और आगामी योजनाओं की दृष्टि से ऐतिहासिक रही है।

खबर संक्षेप

हरियाणा सेवा संघ की बैठक, सतवीर बने अध्यक्ष

रायपुर। सामाजिक भवन में रविवार को हरियाणा सेवा संघ की बैठक हुई। जहां उपस्थित हजारों सदस्यों और चयनित टीम ने सर्वसम्मति से हरियाणा सेवा संघ के लिए अध्यक्ष सतवीर सिंह तंवर को चुना। बैठक में संरक्षक चरण शर्मा, विजय गर्ग, चौधरी कृष्ण सहरावत एवं चयनित कमेटी के सदस्य नत्थूराम शर्मा, जगत, प्रदीप गिल, दिनेश, नारायण मास्टर, मनीराम वर्मा, पूर्व अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व महामंत्री विनोद सैन व अन्य सदस्य राधेश्याम शर्मा, वेदपाल शर्मा, सोनू शर्मा, श्रवण बिश्नोई, कृष्ण नरवाल, पवन जालान, पन्नालाल दुहन, बलजीत नहरा, रणवीर सिंह, सुनील मलिक आदि मौजूद रहे।

सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब की छग इकाई के अध्यक्ष बने पीयूष

रायपुर। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में नवंबर 2003 से संचालित पत्रकारों की सर्वमान्य संस्था सेंट्रल प्रेस क्लब को अब अपने नए स्वरूप में परिवर्तित कर सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब पीयूबी-एलआईसी ट्रस्ट के रूप में स्थापित किया गया है, जिसे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश तथा राजस्थान को मिलाकर 4 प्रमुख हिंदी भाषी राज्यों में पत्रकारिता के लिए और पत्रकारों के लिए ही गठित किया गया है। सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के मिशन को गति प्रदान करने के लिए ट्रस्ट द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में संस्था का प्रथम अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार पीयूष मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

पेंशनर्स महासंघ में रायपुर संभाग अध्यक्ष बने त्रिवेदी

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ ने प्रवीण त्रिवेदी

को रायपुर संभाग का अध्यक्ष बनाया है। उद्योग विभाग से सेवानिवृत्त श्री त्रिवेदी को संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव ने अधिसूचना जारी कर संभाग अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। इन्हें रायपुर संभाग के संबंधित जिलों में जिला अध्यक्ष से संपर्क कर पेंशनर्स महासंघ का कार्य विस्तार करने अधिकृत किया गया है। उन्हें अध्यक्ष बनाए जाने पर संभाग में जिलों के अध्यक्ष आरजी बोहरे रायपुर, खोडस राम कश्यप बलौदाबाजार-भाटापारा, डीपी पाठक धमतरी, रिखीराम साहू महासमुंद और लखनलाल साहू गरियाबंद ने शुभकामनाएं दी हैं।

निधन

शशिकला दवे

रायपुर। वीआईपी रोड निवासी

शशिकला दवे (91) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ीघाट श्मशानघाट में किया गया। वे रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के डॉ. संदीप दवे की माता थीं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रायपुर-16
तहसील धरसींवा जिला रायपुर
:: सीमांकन सूचना::

दिनांक 01.06.2025

प्रति,

1. संजय अग्रवाल पिता मांगेलाल निवासी शंकन नगर रायपुर, 2. संगीता खेतपाल पति राजेश खेतपाल निवासी टैगोर नगर रायपुर

विषय:- आवेदक/आवेदिका चन्द्रकला वर्मा पिता गुलाब वर्मा निवासी भनपुरी रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम गिरौद प.ह.नं. 22 रा.नि.मं. सारागांव स्थित भूमि खसरा नंबर 470/1, 470/3 क्षेत्रफल 0.542, 0.160 हेक्टेयर का सीमांकन/बटांकन में उपस्थित होने के संबंध में।

सन्दर्भः- न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के सीमांकन आदेश/ज्ञापन क्र. .... वा/ तह./202 धरसींवा दिनांक 28.08.2024 के सन्दर्भ में।

उपरोक्त विषयांकित भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के संदर्भित ज्ञापन के परिपालन में दिनांक 09.06.2025 को पूर्वान्ह/अपरान्ह 10.30 बजे से मेरे द्वारा हल्का पटवारी के सहयोग से किये जाने हेतु नियत है।

क्योकि आप उक्त खसरा नंबर की भूमि के संलग्न भूमि धारक/बटांकन धारी है। अतः उल्लेखित नियत दिनांक को पटवारी हल्का नंबर 22 के गिरौद स्थित कार्यालय में स्वयं या अपने अभिभावक/वैध अभिकर्ता के माध्यम से अपनी भूमि के स्वत्व संबंधी आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर दस्तावेज के अनुरूप आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

सुचानोपरांत अनुपस्थिति की स्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जावेगा एवं पश्चात की गई आपत्ति अमान्य होगा। अतः सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर 16 (सारागांव)

दर्जनभर बीएसयूपी स्पॉट ऐसे, जहां गंदे पानी की निकासी का इंतजाम नहीं, खतरे में रहवासियों की सेहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम द्वारा गरीबों के लिए शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बनाए गए आवासीय परिसर की हालत खस्ता है। यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के मामले में निगम प्रशासन फिसड्डी साबित हो रहा है। 19 स्पॉट में से 12 स्पॉट ऐसे हैं, जहां गंदे पानी की निकासी के लिए अफसर अब तक आउटलेट की जगह नहीं ढूंढ पाए है। इस कारण सीवरेज का गंदा पानी आसपास के खाली प्लॉट या परिसर में बहने के लिए छोड़ दिया गया है। इससे यहां के रहवासियों की सेहत दांव पर लगी हुई है। लभांडी, दलदल सिवनी, कचना, सोनडोंगरी, कोटा स्थित बीएसयूपी आवासीय परिसर में कमोबेश यही स्थिति है। इसी तरह मुख्य मार्ग को कनेक्ट करने सड़क कच्ची होने से बारिश के समय आने-जाने में लोगों को परेशानी हो रही है।

दरअसल व्यवस्थापन के तहत शहर की झुग्गी-झोपड़ी से विस्थापित पात्र परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने कचना, दलदल सिवनी, आमा सिवनी ईरानी डेरा, इंद्रप्रस्थ रायपुरा, भाठागांव, सोनडोंगरी, हीरापुर, मठपुरैना, लभांडी, कोटा, पुरैना में बीएसयूपी बहुमंजिला आवासीय परिसर में फ्लैट दिए गए हैं। इनमें से दर्जनभर साइट्स ऐसी हैं, जहां घरों से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। इसके कारण बदबूदार सीवरेज का पानी परिसर में बह रहा है। इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ने का अंदेशा है। इसकी शिकायत वहां के रहवासियों ने संबंधित जोन के कमिश्नर और निगम आयुक्त से की है।

आने-जाने के लिए कच्ची सड़क, बरसात में बड़ी दिक्कत

डायरिया के शिकार हुए थे यहां के रहवासी

नगर निगम जोन-9 क्षेत्र में पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड स्थित लभांडी बस्ती से लगे प्रधानमंत्री आवासीय परिसर आदर्श संकल्प सोसायटी फेज में सीवरेज का गंदा पानी बोरवेल में रिसकर जाने से वहां रहने वाले करीब 100 परिवार गंदे पानी के सेवन से डायरिया का शिकार हुए थे। जिन्हें न केवल निजी व सरकारी अस्पतालों में उपचार के लिए भरती कराना पड़ा, बल्कि डायरिया संक्रमण बढ़ने से जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से आवासीय परिसर में सप्ताहभर तक स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर लोगों की जांच भी कराई। निगम मुख्यालय और जोन-9 की टीम ने सर्वे कर सीवरेज के गंदे पानी की निकासी की अस्थायी व्यवस्था कर खानापूर्ति तो कर दी, पर आज तक गंदे पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था नहीं कर पाए। इसी तरह नगर निगम जोन-8 में कबीर नगर में स्थापित आंबेडकर बीएसयूपी आवासीय परिसर जर्जर हो चुका है। यहां के रहवासी असुरक्षित वातावरण में जीवन बिता रहे हैं। यहां भी गंदे पानी के निकासी के लिए समुचित इंतजाम नहीं किए गए हैं। सड्डू के सेक्टर 3 स्थित बड़े बीएसयूपी बहुमंजिला परिसर में आउटलेट को लेकर परेशानी बनी हुई है।

लोक निर्माण विभाग और आरडीए की संयुक्त टीम ने तकनीकी जांच शुरू की

बेशकीमती जमीन पर बने आरडीए के दो भवन जर्जर, जांच के बाद होगा तोड़ने का फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

रायपुर विकास प्राधिकरण के फूल चौक स्थित पुराने व्यावसायिक परिसर और कमिश्नरी आफिस के पास वाली पुरानी बिल्डिंग खस्ताहाल स्थिति में है। प्राधिकरण ने इन दोनों भवनों को जर्जर घोषित करने जिला प्रशासन को पत्र लिखा है। जिला प्रशासन ने लोक निर्माण विभाग के डिवीजन-2 को इसकी तकनीकी जांच कर रिपोर्ट देने कहा है। शनिवार को प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम ने स्थल पर पहुंचकर तकनीक जांच शुरू कर दी है। तकनीकी जांच में संबंधित परिसर जर्जर घोषित हुआ तो रायपुर विकास प्राधिकरण दुकानदारों से सहमति लेकर इन परिसरों के री-डेवलपमेंट प्लान पर काम कर सकता है। दरअसल रायपुर विकास प्राधिकरण का शारदा चौक स्थित व्यावसायिक परिसर करीब 5 दशक पुराना है। इसी तरह कमिश्नरी आफिस के पास वाला बहुमंजिला व्यावसायिक परिसर भी काफा पुराना हो चुका है। इसमें कई दुकानें और दूसरी मंजिल पर नगर एवं ग्राम निवेश विभाग का संयुक्त संचालक कार्यालय संचालित है। इस बिल्डिंग के अलग-अलग हिस्से में छज्जे टूटने लगे हैं। मरम्मत के अभाव में दोनों व्यवसायिक परिसर जर्जर स्थिति में हैं।

सूत्रों के मुताबिक, फूल चौक मार्ग स्थित आरडीए बिल्डिंग परिसर में इसमें 54 दुकानें और अलग-अलग ब्लाक में फ्लैट भी हैं, जो कि 30 साल की लीज पर रजिस्ट्री वाली प्रॉपर्टी है। इस बिल्डिंग परिसर में जगह-जगह लोहे की छड़ें दिखनी लगी हैं, साथ ही सीपेज की समस्या भी है। अब लोक निर्माण विभाग की तकनीक जांच में परीक्षण करने से यह पता चलेगा कि बिल्डिंग तोड़ने लायक है या मरम्मत से काम चलाया जा सकता है। विदित हो कि आरडीए ने अपनी दोनों जगह के पुराने व्यावसायिक परिसर की खस्ताहाल स्थिति को देखते हुए इसे जर्जर भवन घोषित करने जिला प्रशासन को पत्र लिखा था। तकनीकी जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

मूल ऑनर से जमीन के पैसे नहीं लेंगे

96 टिनामेंट अपार्टमेंट के मूल ऑनर से जमीन के पैसे नहीं लिए जाएंगे। नियमानुसार केवल कंस्ट्रक्शन कास्ट ली जाएगी। फूल चौक स्थित आरडीए की पुरानी बिल्डिंग की तकनीकी जांच कराई जा रही है।

- ***अनिल गुप्ता,*** *अधीक्षण अभियंता, आरडीए*

तहसील के पास वाली पुरानी बिल्डिंग का री-डेवलपमेंट प्लान रद्द

प्राधिकरण के अधिकारियों ने हरिभूमि को बताया कि तहसील कार्यालय के पास वाली प्राधिकरण की पुरानी बिल्डिंग का री-डेवलपमेंट प्लान स्थगित कर दिया गया है, क्योंकि आरडीए को इसके लिए आसपास जमीन नहीं मिल रही है। पुराने व्यावसायिक परिसर के पास स्पेस काफी कम है, यही वजह है कि इस बहुमंजिला भवन तोड़ा नहीं जाएगा, आवश्यकतानुसार मरम्मत कराकर काम चलाया जाएगा।

टिकरापारा का 96 टिनामेंट अपार्टमेंट करा रहे खाली, 7 मंजिला परिसर बनेगा

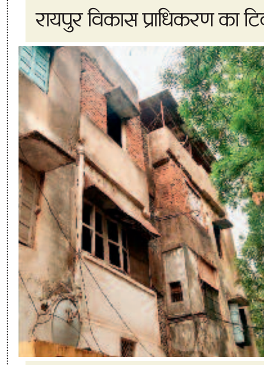

रायपुर विकास प्राधिकरण का टिकरापारा योजना में निर्मित 50 साल पुराना 96 टिनामेंट अपार्टमेंट तोड़ा जाएगा। इसके बाद यहां सात मंजिला आवासीय परिसर बनाया जाएगा। आरडीए द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद यह परिसर अब खाली किया जा रहा है। परिसर में सालों से रह रहे मूल ओनर को व्यवस्थापन के तहत नवनिर्मित परिसर में फ्लैट का एलॉटमेंट प्राथमिकता के आधार पर दिया जाएगा। जर्जर हो चुके इस अपार्टमेंट को जनहित में तोड़कर रायपुर विकास प्राधिकरण बहुमंजिला आवासीय परिसर बनवा रहा है, जिसमें 2 बीएचके के 112, 1 बीएचके के 56 फ्लैट का निर्माण किया जाएगा। परिसर में रहने वालों से सहमति पत्र लेकर इस जर्जर परिसर को तोड़ा जाएगा।

पांच साल से फरार चिटफंड कंपनी का वारंटी डायरेक्टर पुष्पेंद्र गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ फ्यूचर गोल्ड इंडिया बिल्ड लिमिटेड के नाम से संचालित थी कंपनी

रायपुर पुलिस ने पिछले 5 साल से फरार चिटफंड कंपनी फ्यूचर गोल्ड इंडिया बिल्ड लिमिटेड के डायरेक्टर पुष्पेन्द्र सिंह राठौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को मध्यप्रदेश के श्योपुर थाना क्षेत्र से पकड़ा गया है। बताया गया है कि पुलिस से बचकर वह लंबे समय से अपने परिवार सहित यहां निवास कर रहा था। जानकारी मिलते पुलिस की टीम ने उसके ठिकाने पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार रायपुर ले आई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी, पुष्पेंद्र सिंह ने अपनी चिटफंड कंपनी के माध्यम से हजारों लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। उसने अपनी कंपनी का दफ्तर राजधानी रायपुर के लालपुर के प्रोग्रेसिव पाइंट बिल्डिंग में खोला था। इस दफ्तर में उसने कई कर्मचारियों को काम पर भी रखा था, जो कंपनी में निवेश कराने के लिए लोगों को अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देते थे। उनके झांसे में आकर हजारों लोगों ने अपनी मेहनत और कमाई से जमा की गई राशि भी कंपनी में निवेश कर दी थी। लोगों के करोड़ों रुपए निवेश होने के बाद कंपनी अचानक बंद कर डायरेक्टर फरार हो गया, जिसके बाद लोगों ने कंपनी के खिलाफ थाने में शिकायत की थी। इन शिकायतों के आधार पर पुलिस आरोपी को तलाश कर रही थी, जिसे अब जाकर गिरफ्तार किया गया है। पुष्पेंद्र सिंह के विरुद्ध स्थाई वारंट भी जारी किया हुआ है।

6 वर्ष में दोगुनी राशि देने का प्रलोभन : कंपनी के कर्मचारी लोगों को लुभावनी स्कीम बताकर अपने जाल में फंसाते थे। इसके तहत एक स्कीम में 6 साल में निवेश की राशि दोगुनी होने का दावा किया गया था। कंपनी की इस स्कीम के झांसे में हजारों लोग फंस गए और अपनी जमा पूंजी इसमें निवेश कर दी थी।

सुशासन तिहार में टीबी स्क्रीनिंग अब तक ढाई हजार की जांच

रायपुर। सुशासन तिहार कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानों में लगाए गए शिविरों में टीबी स्क्रीनिंग के तहत अब तक ढाई हजार लोगों की जांच की गई है। साथ ही 2 सौ से ज्यादा टीबी रोगियों को पोषण आहार पैकेट भी उपलब्ध कराए गए हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार के 'सुशासन तिहार' कार्यक्रम के तहत एसबी फाउंडेशन के सहयोग से स्कूल संस्था (सोसाइटी ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ओरिएंटेड ऑपरेशनल लिंक्स) ने रायपुर जिले में टीबी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए। इन शिविरों में अब तक 2500 से अधिक लोगों की पोर्टेबल एआई-सक्षम एक्स-रे मशीन से जांच की गई है। इसके अलावा टीम द्वारा शिविर स्थल पर लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जागरूक किया गया। डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने नागरिकों की शंकाओं का समाधान किया और निशुल्क स्क्रीनिंग के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी इस पहल को पिछले दिनों आयोजित शिविर में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ी अभिनेता एवं विधायक अनुज शर्मा, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, एसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह और अन्य अधिकारियों ने सराहा।

उत्तर विधायक पुरंदर ने मितानिनों को किया सम्मानित, भोजन कराया, भेंट की साड़ियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ स्वास्थ्य और जनकल्याण को समर्पित विधायक

जगन्नाथ मंदिर स्थित कार्यालय परिसर में रविवार को उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत समस्त पार्षद, एमटीएसी के सदस्यों एवं सेवा के लिए स1मर्पित मितानिनों की उपस्थिति में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने क्षेत्रीय नागरिकों के स्वास्थ्य, कल्याण और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मितानिनों से उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें आगामी बरसात के मौसम में बीमारियों की रोकथाम के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए।

जनता के लिए सदैव संवेदनशील विधायक

जनता के लिए सदैव तत्पर रहने वाले विधायक श्री मिश्रा का यह प्रयास न केवल उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में उनके कर्तव्यनिष्ठ दृष्टिकोण को भी उजागर करता है। उनकी यह पहल निश्चित ही क्षेत्रीय नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी मितानिनों को सादर भोजन कराया गया एवं उन्हें साड़ी प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने श्री मिश्रा के प्रति आभार जताया और उनके कार्यों की सराहना की।

विश्व दुग्ध दिवस पर किया रक्तदान

रायपुर। कॉलेज ऑफ डेयरी साइंस एंड फूड टेक्नोलॉजी में रविवार को विश्व दुग्ध दिवस मनाया गया। इस मौके पर लोगों को दूध की महत्ता समझाने के साथ ही रक्तदान भी किया गया। आंबेडकर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक के सहयोग से यह आयोजन हुआ। यहां छात्रों के साथ ही महाविद्यालयीन स्टाफ ने भी रक्तदान किया। करीब 50 व्यक्तियों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों और स्टाफ को सर्टिफिकेट भी वितरित किया गया। महाविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि लोगों को दूध के प्रति जागरूक करने के साथ ही हमने मानव सेवा का निर्णय लिया, इसलिए दुग्ध दिवस पर रक्तदान किया गया।

प्रगतिशील सतनामी समाज का प्रदेश प्रबंधकारिणी चुनाव 29 को

रायपुर। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज की प्रदेश प्रबंधकारिणी समिति का चुनाव 29 जून को होगा। प्रदेश स्तरीय निर्वाचन 25 पदों के लिए किया जाएगा, जिसमें एक अध्यक्ष, चार उपाध्यक्ष एवं एक महासचिव, एक कोषाध्यक्ष, एक सहसचिव, एक मीडिया प्रभारी तथा एक प्रवक्ता सहित 15 कार्यकारिणी सदस्य चुने जाएंगे। साथ ही कुछ पदों को महिलाओं के लिए आरक्षित भी रखा गया है। समाज के प्रदेश प्रबंधकारिणी के चुनाव के लिए केएल रवि को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी एसआर बांधे और केडी सोनवानी तथा सहायक के रूप में कृष्णा कोशले को जिम्मेदारी दी गई है।

पेज 11 के शेष ...

नहीं भेजी परफॉर्मेंस...

परिणाम, उनके द्वारा कराई जाने वाली गतिविधियों से लेकर सभी तरह की जानकारी शामिल रहती है। इसके आधार पर ही एनसीटीई महाविद्यालयों का आंकलन करता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन चार महाविद्यालयों की मान्यता समाप्त की गई है, उन चारों महाविद्यालयों ने परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट नहीं भेजी। निर्धारित समय में अप्रेजल रिपोर्ट नहीं भेजे जाने पर एनसीटीई द्वारा महाविद्यालयों को नोटिस भी थमाया गया, लेकिन इसका भी जवाब उन्होंने नहीं दिया। इसके बाद अंततः एनसीटीई ने मान्यता समाप्त कर दी है।

गायनी विभाग के वार्ड...

के लिए हाथ में मामूली चोट आई है। घटना के बाद वहां कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया था। जानकारी के अनुसार, अस्पताल भवन के भूतल पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग संचालित है। वार्ड में बड़ी संख्या में मरीज भर्ती भी रहते हैं। बताया गया कि रविवार सुबह करीब 10 बजे विभाग से लगे बच्चा वार्ड के एक हिस्से की फॉल सीलिंग अचानक गिर पड़ी। फॉल सीलिंग जिस बेड पर गिरी, वहां कोई मरीज नहीं था, बेड खाली होने की वजह से बड़ी घटना टल गई। वहीं बगल के बेड पर एक महिला लेटी थी, जिसे मामूली चोट आई है।

स्कूल सफाई कर्मियों की...

युक्तियुक्तकरण के तहत उन्हें एक शाला से दूसरे शाला में मर्ज किया जाएगा, ऐसी स्थिति में स्कूल सफाई कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे। 15 साल स्कूलों में सेवा देने के बाद कर्मचारियों की उम्र 40 से 50 वर्ष हो चुकी है, इसलिए युक्तियुक्तकरण न किया जाए। अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों को अधिकांश स्कूलों में चपरासी, भृत्य का पद रिक्त होने के कारण पूरे दिन वहां काम करना पड़ता है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खड़ी चढ़ाई पर 5000 टन माल खींचेगा सिंगल इंजन, 9000 हॉर्सपावर की क्षमता, नहीं लगेगा डबल इंजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

भारतीय रेलवे अब अत्याधुनिक और शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मालवाहक इंजन का निर्माण करने जा रहा है। गुजरात के दाहोद स्थित रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप में पॉवरफुल इंजन तैयार किए जाएंगे। ये इंजन माल ढोने के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। रेलवे द्वारा 9000 हॉर्सपावर की क्षमता वाले 1200 हाईपॉवर इलेक्ट्रिक मालवाहक इंजन तैयार किए जाएंगे।

ये इंजन 4500 से 5000 टन तक के भारी माल को तीव्र चढ़ाई वाली पटरियों पर भी आसानी से खींचने में सक्षम होंगे। अभी तक खड़ी चढ़ाई में ट्रेनों को खींचने में कठिनाई होती थी, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। नए इंजनों से यह समस्या पूरी तरह दूर हो जाएगी। रेलवे का दावा है कि यह प्रोजेक्ट 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल को मजबूती देगा। इससे न केवल माल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी, बल्कि सुरक्षा और विश्वसनीयता में भी इजाफा होगा।

गुजरात के दाहोद स्थित रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप में 1200 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक मालवाहक इंजनों का निर्माण किया जाएगा

इंजन के रुकने पर ही खुलेगा शौचालय : शक्तिशाली इंजन में भारत की स्वदेशी टक्कर-रोधी प्रणाली 'कवच' को भी लगाया गया है, जिससे ट्रेन संचालन और अधिक सुरक्षित हो गया है। ड्राइवर के लिए वातानुकूलित केबिन, कम शोर और कंपन जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इंजन के चारों ओर लगे कैमरे निगरानी को बेहतर बनाते हैं। इसमें एक खास बात यह भी है कि शौचालय का दरवाजा इंजन के रुकने पर ही खुलता है। यह इंजन ग्रीन फैक्ट्री में तैयार किया गया है, जिसे हरित निर्माण (ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग) का टैग मिला है। इसमें लगी ब्रेकिंग तकनीक ब्रेक लगने पर बनी ऊर्जा को फिर से ग्रिड में भेज देती है, जिससे पर्यावरण पर असर कम होता है।

एक इंजन से होगा भारी माल का परिवहन

9000 हॉर्सपॉवर का यह लोकोमोटिव भारतीय रेलवे द्वारा विकसित अब तक की सबसे शक्तिशाली एकल-इकाई इलेक्ट्रिक इंजन है। अब तक 4500 और 6000 हॉर्सपॉवर वाले इंजन इस्तेमाल में आते थे, जबकि 12000 हॉर्सपॉवर वाले इंजन दो 6000 हॉर्सपॉवर यूनिट्स को जोड़कर बनाए जाते थे, लेकिन दाहोद में निर्मित यह नया इंजन एक ही इकाई में उच्च क्षमता के साथ तैयार किया गया है। इस नई तकनीक से अब दो इंजन जोड़ने की आवश्यकता नहीं होगी। यह इंजन लंबी और भारी मालगाड़ियों को सहजता से खींच सकता है, जिससे कम ट्रिप में अधिक माल का परिवहन संभव होगा। इसका सीधा असर समय की बचत, ट्रैक पर भीड़ कम करने और लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ाने पर पड़ेगा। इसके चलते न केवल व्यस्त रेलमार्गों पर दबाव घटेगा, बल्कि मानव संसाधन और ऊर्जा की खपत में भी कमी आएगी। इससे उद्योगों को लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलेगी, जिससे वे अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे और आपूर्ति श्रृंखला भी अधिक मजबूत होगी।

खबर संक्षेप

किशोर को बनाया चैंबर का प्रमुख सलाहकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स में किशोर आहूजा को प्रमुख सलाहकार बनाया गया है। इस अवसर पर चैंबर के संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, पूरनलाल अग्रवाल, चतुर्भुज अग्रवाल, अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया सहित चैंबर सदस्यों एवं व्यापारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

कबड्डी स्पर्धा में बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

रायपुर। नवउमंग स्पोर्ट्स अकेडमी एवं समस्त ग्रामवासी तर्री द्वारा राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के रायपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष माखन ताम्रकार ने शामिल होकर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर द्वारिका साहू, घनश्याम तारक, राधेलाल पोखराज, तारक, रोशन साहू, अनिल बया, संजू साहू, बंटी प्रजापति, भारत साहू, हर्षल लौतरिया व ग्रामवासी उपस्थित थे।

सरयूपारीण समाज की बैठक मेधावी बच्चों का सम्मान 8 को

रायपुर। तुलसी भवन में रविवार को सरयूपारीण समाज की कार्यकारिणी की बैठक हुई। समाज ने 8 जून को विप्र समाज के सभी मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए भव्य कार्यक्रम किया जाएगा। साथ ही आमसभा कराने का फैसला भी लिया है। इसके अलावा बैजनाथ मिश्र को समाज के युवा समाज का संयोजक नियुक्त किया, वहीं राममूर्ति तिवारी को संरक्षक नामित किया गया, कैलाश तिवारी को भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव समिति का सदस्य नामित किया गया। संगम लाल त्रिपाठी को संगठन प्रभारी नियुक्त किया गया है। समाज के प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि बैठक में अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला, राजेंद्र शर्मा, राजेश त्रिपाठी, शैलेश शर्मा, राममूर्ति तिवारी, प्रमोद शर्मा, विमलेंद्र तिवारी, विनोद पांडे, विष्णु दत्त मिश्र ,विजयकांत शर्मा, संजय मिश्रा, आरएल द्विवेदी, कल्याण प्रसाद पांडे, डीएस परोहा, त्रिभुवन आदि उपस्थित रहे।

छोटी-मोटी इमरजेंसी होने पर जिला अथवा आंबेडकर अस्पताल के भरोसे

हेल्थ सेंटर्स में संडे मतलब छुट्टी... ओपीडी नहीं तो जरूरी इलाज और दवा मिलना भी मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि लाइव

रविवार यानी ओपीडी बंद होने की वजह से विभिन्न इलाकों में खोले गए स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी इलाज तो दूर, आवश्यक दवाएं तक मिलना मुश्किल होता है। स्वास्थ्य केंद्र में नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ तो मौजूद रहते हैं, मगर डॉक्टर इमरजेंसी के नाम पर ऑन कॉल उपलब्ध होते हैं। अवकाश के दिन इन स्वास्थ्य केंद्रों में सन्नाटा पसरा रहता है और यहां के छोटे-मोटे इमरजेंसी केस वाले मरीजों को भी इलाज के लिए जिला अथवा आंबेडकर अस्पताल के भरोसे रहना पड़ता है।

प्राथमिक उपचार के लिए राजधानी समेत विभिन्न स्थानों पर हमर क्लीनिक, हमर अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। कार्य दिवस पर तो यहां ओपीडी के वक्त विभिन्न बीमारियों की दवा मिलती है, मगर छुट्टी के दिन यहां आवश्यक इलाज मिलना भी मुश्किल है। यहां इमरजेंसी का सिस्टम नहीं होने के कारण डॉक्टर अपनी सेवाएं फोन के माध्यम से देते हैं और एक-दो नर्सिंग तथा पैरामेडिकल स्टाफ के भरोसे संस्थान संचालित होते हैं। इसकी वजह से आवश्यक होने पर भी मरीजों को यहां जरूरी दवाएं नहीं मिल पाती हैं। मौजूदा कर्मचारी तो दूसरे दिन अस्पताल आने अथवा जिला या आंबेडकर अस्पताल जाकर अपना इलाज कराने की सलाह देते हैं। कहने को तो रविवार को सारे सरकारी अस्पताल इमरजेंसी मोड पर संचालित होते हैं, मगर छोटे स्वास्थ्य केंद्रों में संडे मतलब पूरे दिन छुट्टी का माहौल होता है।

नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के भरोसे स्वास्थ्य केंद्र, डॉक्टर फोन पर उपलब्ध

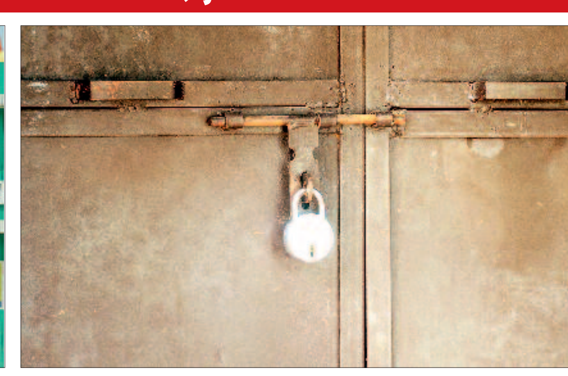

केस 1

रविवार को मंगल बाजार स्थित हमर क्लीनिक यानी आयुष्मान आरोग्य मंदिर हरिभूमि टीम पहुंची तो वहां मुख्य द्वार पर ताला लगा था।भवन के सामने एक कार पार्क की गई थी। आसपास के लोगों ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र रविवार को अक्सर बंद रहता है। कई बार डॉक्टर अथवा अन्य चिकित्सकीय स्टाफ नहीं होने के कारण मरीजों को दूसरे दिन आकर अपनी दवा लेनी पड़ती है। यहां बीपी-शुगर की जांच के साथ सामान्य बीमारियों की दवा मिलती है।

शिकायत मिलने पर करते हैं कार्यवाही

रविवार अथवा अन्य अवकाश के दिन ओपीडी की व्यवस्था नहीं होती। इमरजेंसी होने पर ज्यादातर लोग बड़े अस्पताल जाते हैं। अगर कोई मरीज यहां पहुंचता है तो उसे आवश्यक उपचार या परामर्श दिया जाता है। शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्यवाही भी की जाती है। - डॉ. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ, रायपुर

केस 2

खोखोपारा स्थित हमर अस्पताल या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सन्नाटा पसरा रहा। भीतर मौजूद स्टाफ ने बताया कि ओपीडी नहीं होने की वजह से ज्यादातर लोग छुट्टी पर रहते हैं। किसी तरह की इमरजेंसी होने पर डॉक्टरों से ऑन कॉल सेवाएं ली जाती हैं। छुट्टी होने की वजह से यहां एक-दो मरीज ही आते हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें आवश्यक दवा दी जाती है अथवा चिकित्सकों के परामर्श के लिए दूसरे दिन आने की सलाह दी जाती है।

अतिशेष की सूची प्रकाशित किए बगैर ही काउंसिलिंग तिथि का निर्धारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के स्कूलों में युक्तियुक्तकरण का शिक्षकों द्वारा चौतरफा विरोध शुरू हो गया है। इसके साथ ही शिक्षक संघ द्वारा शासन पर पारदर्शिता नहीं बरतने के आरोप भी लगाए गए हैं। शिक्षक साझा मंच के प्रदेश संचालक संजय शर्मा ने आरोप लगाया है कि शिक्षा विभाग में काउंसलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। अधिकारी मनमर्जी कर रहे हैं। बीते दिनों कोरबा में काउंसलिंग हुई, लेकिन जो आसपास के रिक्त पद है उसे छुपाया गया है। पूरे रिक्त पदों की ना तो जानकारी दी गई और ना ही इसे पूर्व में प्रकाशित भी किया गया। प्रक्रिया में सुधार व पारदर्शिता के बिना पूरे प्रदेश के शिक्षको को परेशान किया जा रहा हैं और अधिकारी मनमर्जी कर रहे हैं। यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो मनमानी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी हम प्रदर्शन करेंगे।

- युक्तियुक्तकरण में विसंगतियों का आरोप

दावा-आपत्ति के लिए पर्याप्त समय नहीं

शिक्षक संघ ने मांग की है कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पारदर्शितापूर्वक नहीं की जा रही है, इसलिए इस पर आवश्यक-निर्देश जारी किया जाए। अतिशेष की सूची प्रकाशित हुए बिना ही काउंसलिंग की तिथि निर्धारित किया जा रहा है। अतिशेष की सूची कई जिलों में प्रकाशित नहीं हुई है। पारदर्शिता का प्रत्येक जिले में पूर्णतः अभाव है। यही कारण है की सूची को जारी करने के बाद दावा आपत्ति का पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों के साथ जिन स्कूलों में पोस्टिंग की जानी है उनकी सूची सोशल साइट पर और कार्यालय के बाहर चस्पा की जानी चाहिए।

भाजपा की कल बड़ी बैठक

रायपुर । प्रदेश भाजपा की लंबे समय बाद प्रदेश स्तर की एक बड़ी बैठक 3 जून को दोपहर 1 बजे कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में रखी गई है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने पर 11 जून को भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसी के साथ केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर आयोजित कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में प्रदेश भाजपा के सभी संगठन जिलों के जिला अध्यक्ष, जिलों के भाजपा के प्रभारी, जिलों के भाजपा के सहप्रभारी, संभागीय प्रभारी, प्रदेश भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

धनेंद्र बोले- किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा कर समर्थन मूल्य बढ़ाते हैं 69 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ नेता धनेंद्र सहू ने उठाए सवाल

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता धनेंद्र साहू ने केंद्र सरकार द्वारा धान के समर्थन मूल्य में 69 रुपए की वृद्धि पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि एक तरफ किसानों से वोट लेते समय उनकी आमदनी दोगुनी करने की वादा करते हैं, वहीं धान का मूल्य निर्धारण करते समय मात्र 69 रुपए की वृद्धि करते हैं। हमारे छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए यह घोर निराशा का विषय है। छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे देश के किसानों को निराशा हाथ लगी है। किसानों के साथ केंद्र की मोदी सरकार छलावा कर रही है।

पूर्व विधायक श्री साहू ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित किया गया है, मात्र 69 रुपए प्रति क्विंटल दाम बढ़ाए हैं। यह किसानों की भावनाओं पर कुठाराघात है। ऐसी महंगाई के जमाने में धान का लागत मूल्य बढ़ गया है। धान के उत्पादन लागत में बड़े पैमाने पर वृद्धि हो चुकी है।

केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर 3100 सौ रुपए में धान खरीदी कर रही है और छत्तीसगढ़ में 3100 रुपए समर्थन मूल्य दे रही है तो केंद्र द्वारा 69 रुपए एमएसपी बढ़ाना ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। 69 रुपए बढ़ोतरी के हिसाब से धान का समर्थन मूल्य 2369 प्रति क्विंटल हुआ, जबकि कम से कम 3500 रुपए समर्थन मूल्य करना था।

सुविधाएं बढ़ाने की योजना दस महीने से अटकी पेइंग वार्ड अब कोरोना के लिए आइसोलेटेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जनरल वार्ड में असहज महसूस करने वाले मरीजों के लिए मौजूदा पेइंग वार्ड को सुविधायुक्त बनाने की योजना दस महीने बाद भी पूरी नहीं हो पाई है। यहां एसी सहित अन्य सुविधाएं जुटाने समेत शुल्क बढ़ाने पर भी फैसला हुआ था।

फिलहाल इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है और यहां कोरोना संक्रमितों के लिए आइसोलेटेड वार्ड बना दिया गया है। जरूरतों के हिसाब से आंबेडकर अस्पताल के पेइंग वार्ड को सुविधायुक्त बनाने की आवश्यकता महसूस की गई थी। इसके तहत वहां दर्जनभर कमरों में एसी समेत अन्य सुविधा जुटाने और शुल्क बढ़ाने पर भी फैसला हुआ था। निर्णय होने के बाद भी खरीदी के लिए फंड नहीं मिलने की वजह से इस पर काम शुरू नहीं हो पाया और दस महीने बीत गए। अब आने वाले दिनों में भी इस पर काम शुरू होने की संभावना काफी कम है। आने वाले दिनों कोरोना के केस बढ़ने की आशंका के आधार पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आंबेडकर अस्पताल में अपनी तैयारी की गई है। इसके तहत वहां ओपीडी जांच के लिए कक्ष बनाने के साथ संक्रमितों को आइसोलेटेड करने के लिए पेइंग वार्ड के प्रथम तल को आरक्षित किया गया है, यानी भविष्य में अगर कोरोना केस बढ़ते हैं तो उन्हें इलाज के लिए पेइंग वार्ड में रखा जाएगा।

- एसी तथा अन्य सुविधाओं के साथ शुल्क बढ़ाने का हुआ था निर्णय

सीमित संख्या में उपयोग

अस्पताल सूत्रों का कहना है कि पेइंग वार्ड का उपयोग सीमित संख्या में ही किया जाता है। सामान्य वार्डों से दूर होने की वजह यहां हर वक्त विभागीय चिकित्सकों की मौजूदगी कम होती है। वहीं किसी तरह की जांच के लिए भी मरीजों को काफी दूर तक जाना पड़ता है। इसका ज्यादातर उपयोग सिफारिशी मरीजों द्वारा किया जाता है, क्योंकि पेइंग वार्ड की सुविधा लेने के लिए अस्पताल की कई कागजी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है।

स्पोर्ट्स बाइक चुराकर ओडिशा में बेचते थे शातिर, 4 वाहन बरामद, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर पुलिस ने दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग है। दोनों आरोपी रायपुर से स्पोर्ट्स बाइक चोरी कर उसे ओडिशा ले जाकर बेचते थे। दोनों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की चार स्पोर्ट्स बाइक जब्त की है, जिसकी कुल कीमत 6 लाख रुपए आंकी गई है।

रायपुर में ग्राहक तलाशते धरे गए

पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी के मामले में खुलासा करते हुए बताया कि 30 मई को एंटी साइबर यूनिट की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति चोरी की बाइक बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने मौके पर राज किशोर उर्फ राज निवासी कादोवासा थाना कांटाभांजी बलांगीर ओडिशा को चोरी की एक बाइक के साथ पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने एक साथी के साथ मिलकर स्पोर्ट्स बाइक चोरी करता है। चोरी करने के बाद बाइक ओडिशा ले जाकर बेच देता है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर ही उसके नाबालिग साथी से चोरी की तीन और बाइक बरामद की है।

इन नंबर प्लेट की बाइक बरामद
पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से बाइक क्रमांक सीजी-19 बीयू-4510, सीजी-19 बीएन9597, सीजी-04 एमवाय 9374, सीजी-04 पीएन 9391 बरामद की गई है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

- पर्यटन विभाग ने श्रीराम वनगमन पथ परियोजना के तहत तैयार किया है लग्जरी रिसॉर्ट
- परियोजना से जुड़े प्रदेश के प्रमुख स्थलों का विकास किया जा रहा

माता कौशल्या धाम में लग्जरी रिसॉर्ट बनकर तैयार लीज पर देने का प्लान, इसी मानसून में शुरुआत संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

चंदखुरी स्थित माता कौशल्या धाम में पर्यटन विभाग ने 12 कमरों का सर्व सुविधायुक्त लग्जरी रिसॉर्ट तैयार कर लिया है। यह निर्माण श्रीराम वनगमन पथ परियोजना के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़े स्थलों को विकसित करना है। पिछली सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई योजना के तहत कार्य अब लगभग पूरा हो चुका है।

पर्यटन विभाग रिसॉर्ट को लीज पर देने की योजना बना रहा है। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विभाग का लक्ष्य है कि इस मानसून सीजन में पर्यटकों को चंदखुरी में ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। श्रीराम वनगमन परियोजना के तहत प्रदेश के प्रमुख स्थलों का विकास किया जा रहा है, जिनमें रामगढ़ (सरगुजा), शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा), तुरतुरिया (बलौदाबाजार), चंदखुरी (रायपुर), राजिम (गरियाबंद), सिहावा सप्तऋषि आश्रम (धमतरी), जगदलपुर (बस्तर) और रामाराम (सुकमा) शामिल हैं। यहां 60 से 70 फीसदी से अधिक कार्य हो चुका है। कुछ जगहों पर भव्य द्वार निर्माण का काम चल रहा है तो वहीं कई जगहों पर घाट को संवारा जा रहा है। पर्यटन विभाग अन्य रिसॉर्ट्स जैसे चिल्फी घाटी, मैनपाट और चित्रकोट को भी लीज पर देने की योजना बना रहा है, जिससे इन स्थलों का संचालन बेहतर तरीके से हो सके और राजस्व में वृद्धि हो।

माना-तूता में 80 फीसदी काम पूरा

छत्तीसगढ़ में लंबे समय से बंद पड़े मोटल्स का संचालन शुरू होने लगा है। पर्यटन विभाग के मुताबिक, रायपुर में केंद्री और माना-तूता में भी मोटल्स लीज पर दिया गया था, जिसका काम 80 फीसदी पूरा हो चुका है। जुलाई तक इसे शुरू करने की योजना है। हरियाली के बीच यहां रिसोर्ट तैयार किया गया है। यहां पर्यटकों को रेस्टोरेंट के साथ आधुनिक सुविधाएं भी मिलेंगी।

पर्यटन विभाग लीज मॉडल की ओर : पर्यटन विभाग चिल्फी घाटी, मैनपाट और चित्रकोट जैसे रिसॉर्ट्स लीज पर देने की योजना बना रहा है। विभाग का उद्देश्य इन रिसॉर्ट्स के संचालन को प्रोफेशनल तरीके से बेहतर बनाना और राजस्व में बढ़ोतरी करना है। लीज पर दिए जाने के बाद निजी एजेंसियां इन स्थलों में सुविधाएं बढ़ा सकेंगी, जिससे पर्यटकों को और बेहतर अनुभव मिलेंगे।

रिसॉर्ट में दिखेगी छत्तीसगढ़ी कला संस्कृति की झलक

चंदखुरी में बनाए गए रिसॉर्ट को छत्तीसगढ़ी कला और संस्कृति की थीम पर सजाया गया है। दीवारों पर पारंपरिक चित्रकारी, दरवाजों और खिड़कियों में लोकशैली की झलक देखने को मिलेगी। रिसॉर्ट में रंगरोगन और अन्य आवश्यक सुविधाओं का काम भी पूरा कर लिया गया है। यह रिसॉर्ट दो तालाबों के बीच प्राकृतिक वातावरण में बनाया गया है, जहां पर्यटकों के ठहरने के लिए 12 कमरे तैयार हैं।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 2 जून 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

- बस्तर व गरियाबंद के जलप्रपात में बढ़ी पर्यटकों की संख्या
- हर साल दर्जन विदेशी कर रहे भ्रमण, वाटर स्पोर्ट्स टूरिज्म में सतरेंगा पहली पसंद

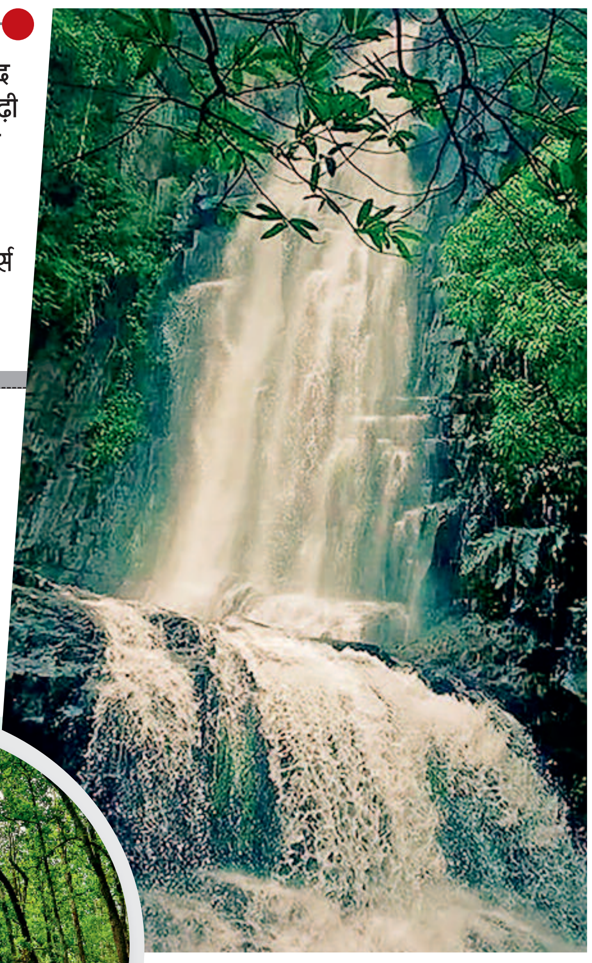

प्री-मानसून से जंगलों में छाई हरियाली, लुभाने लगे वाटर फॉल

बारिश से पहले ही रिसोर्ट में एडवांस बुकिंग

मानसून के सक्रिय होने से पहले ही प्रदेश के पर्यटन स्थलों में हरियाली छा गई है, जो पर्यटकों को खासा आकर्षित कर रही है। आमतौर पर मई की तेज गर्मी में लोग घर से निकलने से बचते हैं, लेकिन इस बार लगातार हुई बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया है। अब पर्यटक जंगलों और पहाड़ों की ओर रुख कर रहे हैं। अचानकमार, बारनवापारा और उदंती-सीतानदी जैसे प्राकृतिक स्थलों पर पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में तो लोगों को अभी से ही मानसून का एहसास होने लगा है। हरियाली, ठंडी हवाएं और रिमझिम फुहारों से सराबोर ये पर्यटन स्थल गर्मी में राहत और सुकून की तलाश कर रहे लोगों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं।

रायपुर। पर्यटन विभाग के रिसोर्ट में मानसून से पहले बुकिंग बढ़ चुकी है। चिल्फी, मैनपाट और कुरदूर हिल स्टेशनों में एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। बता दें कि कोरोना संक्रमण के एक बार फिर देशभर में मामले अचानक बढ़ने से लोग अन्य राज्यों की जगह छत्तीसगढ़ के बॉर्डर से जुड़े पर्यटन स्थलों में भ्रमण करने पहुंच रहे हैं। इन दिनों प्री मानसून की बारिश के बाद बारनवापारा, कांकेर, बस्तर, गरियाबंद, कवर्धा समेत सिहावा समेत अन्य जिलों के पर्यटन स्थल गुलजार होने लगे हैं। रोजाना बड़ी संख्या में लोग राजधानी समेत अन्य जिलों से पहुंच रहे हैं। इन दिनों ज्यादातर लोग ऐसे वाटर फॉल में जाना चाहते हैं, जो रायपुर से 80 से 100 किमी तक दूरी में हैं, ताकि एक दिन में भ्रमण कर लौट सकें। पर्यटन व वन विभाग से मिली जानकारी क मुताबिक रायपुर से धसकुंड, सिद्धखोल, देवधारा, आमाझरिया, कूटन नाला जलप्रपात, चिंगरा पगार समेत घटारानी और झरझरा वाटरफॉल में इन दिनों हजारों की संख्या में पर्यटकों प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

जून में ही वाटरफॉल से बहने लगा पानी

पर्यटन विभाग के मुताबिक प्रदेश में सर्वाधिक वाटरफॉल कांकेर और बस्तर संभाग में हैं। यहां बारिश में 40 से अधिक छोटे व बड़े वाटरफॉल देखने को मिल जाते हैं। वर्तमान में गरियाबंद, बलौदा बाजार, कसडोल समेत कवर्धा क्षेत्र में पर्यटक अधिक पहुंच रहे हैं। इन जिलों में 6 से अधिक वाटरफॉल हैं। रायपुर से दूरी कम होने से लोग यहां आना पसंद कर रहे हैं।

फ्रांस और यूरोप से पहुंच रहे विदेशी पर्यटक

हिल स्टेशनों में मैनपाट, चित्रकूट व चिल्फी घाटी स्थित सरोदा दादर में विदेशी पर्यटकों की संख्या बीते कुछ सालों से बढ़ गई हैं। पर्यटन विभाग के रिसोर्ट में हर साल दर्जनों विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। यहां वर्तमान में फ्रांस और यूरोप से विदेशी पर्यटक पहुंच रहे हैं। इन हिल स्टेशन की खास बात यह है कि रिसोर्ट घाटी के ऊपर पहाड़ के बीच में और आदिवासी गांव में बनाया गया है। यहां पहुंच रहे लोग प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देख पाते हैं। इसके अलावा आदिवासी जनजीवन और संस्कृति से रूबरू हो रहे हैं। ठंड और बारिश के दिनों में यहां बादल छाए होते हैं, जो आकर्षण का केंद्र होता है।

रिसोर्ट में छुट्टी के दिनों में एडवांस बुकिंग

बारिश में बड़ी संख्या में पर्यटक भ्रमण करते हैं। वर्तमान में बारनवापारा, बस्तर, मैनपाट समेत चिल्फी घाटी व कुरदर समेत अन्य हिल स्टेशनों के रिसोर्ट पर्यटकों से गुलजार होने लगे हैं। प्रदेश के बड़े वाटरफॉल जगदलपुर में हैं, जिसमें चित्रकोट, तामड़ा घुमर झरना, मेन्द्री घूमड़, चित्रधारा समेत बिजकुडुम व तीरथगढ़ वाटरफॉल शामिल हैं। प्री- मानसून में बस्तर की प्राकृतिक सौंदर्य लोगों को आकर्षित कर रही हैं। पर्यटन विभाग के रिसोर्ट में छुट्टी के दिनों में एडवांस बुकिंग है।

एजुकेशन अलर्ट

एनडीए-सीडीएस एग्जाम के लिए 17 जून तक कर सकते हैं आवेदन

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से नेशनल डिफेंस एकेडमी और नवल एकेडमी परीक्षा एवं कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज एग्जामिनेशन के लिए नोटिफिकेशन जारी कर आवेदन तिथियों को घोषित कर दिया गया है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार इस भर्ती परीक्षा के लिए पात्रता पूरी करते हैं वे ऑनलाइन माध्यम से यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन की शुरुआत 28 मई से की गई है जो 17 जून 2025 तक जारी रहेगी। नवल डिफेंस एकेडमी पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्थान से 12वीं/ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया हो। इसके अलावा नवल एकेडमी (NA/ 10+2 कैडेट एंट्री स्कीम) पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार फिजिक्स एवं मैथमेटिक्स विषयों के साथ 12वीं उत्तीर्ण कर चुका हो या इसमें अध्ययनरत होना चाहिए। इसके अलावा सीडीएस पदों पर आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से स्नातक/ इंजीनियरिंग डिग्री प्राप्त होना चाहिए। इन सबके अलावा अभ्यर्थियों ने निर्धारित आयु सीमा भी प्राप्त की हो।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

इस भर्ती में आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर मांगी गई डिटेल भरकर पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल, हस्ताक्षर, फोटोग्राफ आदि अपलोड करके आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।आवेदन करने वाले उम्मीदवार पहले से ही सक्रिय ई-मेल एवं मोबाइल, नंबर, फोटोग्राफ, हस्ताक्षर, सभी शैक्षिक दस्तावेज, आधार कार्ड आदि अपने पास रख लें, जिससे के आप आसानी से आवेदन कर सकें। आवेदन शुल्क जमा करने के लिए आप क्रेडिट कार्ड एवं डेबिट कार्ड भी अपने पास रख सकते हैं।इस भर्ती में भाग लेने के लिए जनरल, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों को 200 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा एससी, एसटी एवं सभी वर्ग की महिला अभ्यर्थी इस भर्ती में शामिल होने के लिए निशुल्क आवेदन कर सकते हैं। एप्लीकेशन फीस का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकेगा।

सिटी इवेंट

फिट इंडिया साइकिल रैली में युवाओं और बुजुर्गों ने भी दिखाया जोश

रायपुर। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रविवार को सुबह साढे सात बजे मरीन ड्राइव से विशाल साइकिल रैली निकाली गई। इसके प्रति लोगों के जुनून का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि एक घंटे पहले से ही लोग पूरी तैयारी के साथ तेलीबांधा पहुंचने लगे थे। इस साइकिल रैली में राज्य के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू और गुरु खुशवंत साहेब भी शामिल हुए। साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करते हुए लोगों को सेहत और फिटनेस के लिए सप्ताह में एक दिन साइकिल चलाने के लिए आह्वान किया। इसके बाद रैली को हरी झंडी दिखाई और वे भी शहीद भगत सिंह चौक, कलेक्ट्रेट चौक तक साइकिलिंग करते हुए आए और वहीं से यू-टर्न लेते हुए मरीन ड्राइव पहुंचे।

राइडर्स, विद्यार्थी और खिलाड़ी हुए शामिल

मंत्री वर्मा ने साइकिलिंग को स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और लोगों के फिटनेस के लिए उपयोगी बताया। हम सभी को हर संडे साइकिल चलाने की आदत बनानी चाहिए। यह स्वस्थ रहने का एक सरल, सुलभ और प्रभावी उपाय है। इससे सेहत के साथ पर्यावरण को भी बेहतर बना सकेंगे। इस आयोजन में एसडीएम नंदकुमार चौबे, छत्तीसगढ़ साइकिल एसोसिएशन के राइडर्स, स्कूली छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, युवा और सेहत प्रेमी भी शामिल हुए। साइकिल चलाना सबसे अच्छा व्यायाम है जो हृदय, फेफड़ों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह मोटापे के साथ ही हमें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और तनाव को भी कम करता है।

करीब तीन घंटे जमे रहे साइकिलिंग के प्रहरी

एसोसिएशन से जुड़ने के बाद सेहत और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रहरी की तरह लोगों को सजग करने के लिए प्रयास करने वाली संस्था के मेंबर्स ने भी लोगों को सप्ताह में एक दिन साइकिलिंग के लिए सजग किया। इस आयोजन के चलते मरीन ड्राइव में सुबह साढ़े 5 बजे से करीब 8 बजे तक साइकिलिंग करने वालों का उत्साह रहा। इसमें शामिल होने के लिए हर वर्ग के लोग पूरी तरह से तैयारी के साथ पहुंचे थे। साइकिलिंग करने वालों के लिए आयोजकों के द्वारा भी पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। इसी तरह विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आईटीएसए हॉस्पिटल्स ने टूर डे रायपुर साइक्लिंग क्लब और सीआरसी क्लब के साथ मिलकर मरीन ड्राइव से हॉस्पिटल्स तक साइकिलिंग का आयोजन किया।

मिलेट्स मां ने बताई उपयोगिता, ज्वार बाजरा के सेवन से बेहतर होगा स्वास्थ्य

रायपुर। पीएससी, रेलवे भर्ती, बैंकिंग और राजस्व सहित अलग-अलग क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की युवा संस्था के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग करने वालों के बीच संडे स्पेशल क्लास लगी। रविवार को मिलेट्स के प्रति सजग करने के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता 'मिलेट्स मां' के नाम से चर्चित कविता देव सिविल लाइन स्थित संस्था में उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी, चीना, कांगनी, सांवा जैसे अनाज मिलेट्स में आते हैं। यह अनाज पोषण से भरपूर होते और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। मिलेट्स में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन व खनिज की मात्रा अधिक होती हैं। मिलेट्स ग्लूटेन-मुक्त होते हैं। इसके सेवन से डायबिटीज, हृदय रोग और मोटापे को कम करने में मदद मिलती हैं।

टिकाऊ जीवन के लिए मिलेट्स अपनाएं

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं को बताया कि देशभर में मिलेट्स के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद करने के लिए बीएसएफ, सीआरपीएफ, कृषि, एमएसएमई, उद्योग विभाग जैसे कई एजेंसियों के साथ काम कर रही हूं। अंत में युवा के संस्थापक एम. राजीव ने कहा कि कविता देव उर्फ मिलेट्स मां के सोशल मीडिया पर 90 हजार से ज्यादा लोगों के समुदाय के साथ जुड़ी हैं। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य, बीमारी को दूर करने और टिकाऊ जीवन के लिए मिलेट्स को अपनाने के लिए शिक्षित और सशक्त बना रही है।

मिलेट्स को व्यवसाय का जरिया बनाएं

उन्होंने बताया कि मिलेट्स पाचन को बेहतर बनाने व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी मदद करता हैं। सेमिनार में कविता देव ने बताया कि मिलेट्स को व्यवसाय का जरिया भी बनाया जा सकता है। मैं खुद भी मिलेट्स आधारित स्टार्टअप की संस्थापक के रूप में काम कर रही हूं। यह पौष्टिक, उपचारात्मक भोजन को सुलभ बनाने के लिए समर्पित हैं। इससे जुड़े लोगों का स्वास्थ्य को देखने के तरीके में भी बदलाव आ रहा है। इस क्षेत्र में काम करते हुए कब एक सामाजिक उद्यमी बन गई। अब लोग मिलेट्स मां पुकारते हैं, तो खुशी होती है।

नेशनल लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट में अविलोकिता को मिला ऑल इंडिया रैंक-2

रायपुर। राजधानी की अविलोकिता केशरवानी ने देश के प्रतिष्ठित नेशनल लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट में ऑल इंडिया रैंक 2 हासिल किया है। इस परीक्षा के माध्यम से देशभर के चुनिंदा विद्यार्थी नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में प्रवेश पाते हैं, जिसे भारत के सर्वोच्च विधि शिक्षण संस्थानों में गिना जाता है। अवलोकिता के माता-पिता डॉ. विवेक केशरवानी एवं डॉ. नंदिता केशरवानी रायपुर स्थित सयुश हॉस्पिटल में कार्यरत हैं और चिकित्सा क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं। अविलोकिता ने कहना है कि यह सफलता किसी एक दिन की मेहनत नहीं, बल्कि वर्षों की तैयारी, धैर्य और आत्मविश्वास का फल है।मैंने कभी केवल रैंक को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि विषय को समझने और खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की। परिवार और शिक्षकों का मार्गदर्शन हमेशा साथ रहा। वह बताती हैं कि पढ़ाई के साथ मानसिक संतुलन बनाए रखना भी बहुत आवश्यक होता है, और इसके लिए उन्होंने नियमित व्यायाम, किताबें पढ़ना और शांत समय बिताना अपने दिनचर्या का हिस्सा बनाया। अविलोकिता केशरवानी अब एनएलयू बेंगलुरु में अपने विधिक शिक्षा की नई शुरुआत करेंगी।

आत्मनिर्भरता से भविष्य को स्वर्णिम बना रहे युवा

कम उम्र में करियर की उड़ान, पढ़ाई के साथ पैशन को बना रहे आय का साधन

कार्नर न्यूज

रायपुर। बदलते वक्त के साथ युवा वर्ग अपनी जरूरतों और पढ़ाई के खर्च के लिए माता-पिता पर निर्भर रहना कम कर रहे। वे कम उम्र से ही अपने पैशन को फॉलो कर, आय का साधन बना रहे हैं। इन दिनों 21-22 साल के युवा कॉलेज की पढ़ाई के साथ काम भी कर रहे, जिसके लिए बचपन से ही मनपसंद काम को भरपूर समय देकर प्रशिक्षण ले रहे। युवाओं की कामयाबी के पीछे माता-पिता का भी भरपूर सहयोग होता है, जहां वे बच्चों की खुशी और बेहतर भविष्य के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। 'इन दिनों युवाओं के पास बेहतर कॅरियर के विकल्प मौजूद हैं, वे अपने पैशन को आय का साधन बना रहे हैं। युवाओं ने बताया कि बेहतर भविष्य के लिए कम उम्र से ही मेहनत करना शुरू किया है, जिसके लिए स्कूली शिक्षा के साथ अपने पैशन को भी समय दिया है। बीते 5-6 सालों की कड़ी मेहनत के बाद ही युवा अवस्था में कामयाबी मिली है। जिस काम में रुचि और रोमांच हो उसे अपना आय का साधन बनाना सही विकल्प है।'

पहली कमाई से माता-पिता के लिए कपड़े खरीदे

21 वर्षीय कुनिका साहू ने बताया कि पहली कमाई से माता-पिता के लिए कपड़े लिए थे, जो मेरे जीवन का सबसे यादगार पल था। बचपन से ही मां को सिलाई करता देखा है, जिसके कारण कक्षा 9वीं तक सिलाई की विधा सीख गई। लगभग 16-17 की उम्र से आस-पास के लोगों का कपड़ा सिलना शुरू किया। वर्तमान में कॉलेज की पढ़ाई, घर खर्च और अपनी जरूरतों के लिए माता-पिता पर निर्भर होने की आवश्यकता नहीं है। स्टिचिंग से मिले पैसे से मोबाइल फोन, लेपटॉप, सोने की ज्वेलरी, सिलाई मशीन जैसे कई वस्तुएं खरीदी हैं। इन दिनों एटीडीसी से बी-वोक एफडीआर का प्रशिक्षण ले रही।

पैशन और प्रोफेशन को साथ में लेकर चले

21 वर्षीय रमनदीप कौर ने बताया कि पिता के कहने पर इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स में एडमिशन लिया। कॉलेज के दूसरे साल ही बेहतर काम को देखते हुए प्रोजेक्ट मिलना शुरू हो गया। साल 2024 में मेरी पहली कमाई 40-50 हजार रुपए की रही। अब तक लगभग 15 प्रोजेक्ट के लिए काम करने का मौका मिला है, जिसमें 4-5 प्रोजेक्ट प्रमुख रहा। जीवन में पैशन और प्रोफेशन साथ में लेकर चलना चाहिए, जिससे सही तालमेल बैठता है। साइकोलॉजी फील्ड में रुचि है, जिसके कारण डिग्री की पढ़ाई चल रही। वहीं, दूसरी ओर इंटीरियर डिजाइनिंग मेरे आय का साधन बन चुका है।

17 साल की उम्र में पहला प्रोजेक्ट

21 वर्षीय प्रियांश केसरवानी ने बताया कि वर्तमान में फ्रीलांसिंग से 10-12 हजार रुपए से अधिक की कमाई हर माह हो रही है। बचपन से आईटी फील्ड में रूझान रहा, जिसके कारण 7वीं कक्षा से ही वेबसाइड डेवलप करना शुरू किया। बेहतर काम को देखते हुए 17 साल की उम्र में पहला प्रोजेक्ट पर काम किया। अब तक 50 से अधिक फ्रीलांसिंग और वेबसाइड डिजाइन का काम करने का मौका मिला है, जिसमें तीन इंटरनेशनल क्लाइंट का काम किया है। स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई के बीच काम चलता रहा, जिसमें सुबह से दोपहर का वक्त पढ़ाई के लिए और उसके बाद का वक्त अपने पैशन को समर्पित किया। इन दिनों दिशा कॉलेज से बीसीए की पढ़ाई कर रहा।

सिटी लाइव

कैनवास पर उकेरे प्रकृति के विविध रंग, सनोवर, इशरत, फरीन विजेता

रायपुर। धरसींवा ब्लॉक में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला जोरा में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समर कैंप पर आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता समर कैंप और मोहल्ला क्लास की पहल के अंतर्गत आयोजित की गई। यह आयोजन हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया संस्था द्वारा संचालित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को कला एवं अभिव्यक्ति के माध्यम से सीखने व रचनात्मकता का विकास करना है। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने अपनी रुचि एवं कल्पनाशीलता को कैनवास पर उकेरा। बच्चों ने प्रकृति, सामाजिक मुद्दों, त्योहारों और जीवन के विविध तस्वीरों को रंगों के माध्यम से जीवंत किया। इसके अतिरिक्त, समर कैंप के माध्यम से बच्चों को कला, संगीत, खेल और अन्य गतिविधियों में भी प्रशिक्षण दिया गया। उनकी समग्र विकास प्रक्रिया को बल मिला है। इससे प्रतिभागी ने चित्रकारी प्रतियोगिता में अपने सृजनशीलता का अनूठा प्रदर्शन किया। शाला के शिक्षकों ने कहा कि संस्था द्वारा भविष्य में और भी अधिक रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है, जिससे बच्चों को उनकी शिक्षा और कलात्मक अभिव्यक्ति के विकास में सहायता मिल सके।

विजेताओं को दिए पुरस्कार

इस चित्रकला प्रतियोगिता में कई प्रतिभाशाली बच्चों ने भाग लिया। जजों द्वारा कला निरीक्षण के बाद विजेताओं की घोषणा की गई। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सनोवर ने हासिल की। वहीं, द्वितीय पुरस्कार इशरत जहां और तृतीय पुरस्कार फरीन बानो को प्रदान किया गया। इन बच्चों ने अपनी अद्भुत चित्रकला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद बच्चों ने अपनी खुशी व्यक्त की और आगे भी कला क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को निखारने की इच्छा जताई।

● नए शैक्षणिक सत्र को लेकर नए कवर पिक्चर, डिजाइन, एक्स्ट्रा साइज-पेज की कॉपी-किताबें स्टेशनरी की दुकानों पर पहुंची

स्कूल जाने पूरी तैयारी, कार्टून बने गिनती के नंबर्स, स्टोरी फिक्चर वाली लर्निंग बुक्स, पेंसिल से पढ़-लिख बच्चे बनेंगे रचनात्मक और जीनियस

नए शैक्षणिक सत्र में स्कूलों में पढ़ाई -लिखाई के लिए जरूरी स्टेशनरी की सामान बाजार में पहुंच गई हैं। प्राइवेट व सरकारी दोनों ही स्कूलों के बच्चों को बुक्स सूची के अनुरूप कापी, किताबें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके लिए प्राइवेट स्कूल खुद बच्चों को स्टेशनरी उपलब्ध करा रहे हैं, वहीं सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए उनके पैरेंट्स स्टेशनरी की दुकानों से बजट के हिसाब से कापी, किताबें, पेन, पेंसिल खरीद रहे हैं।

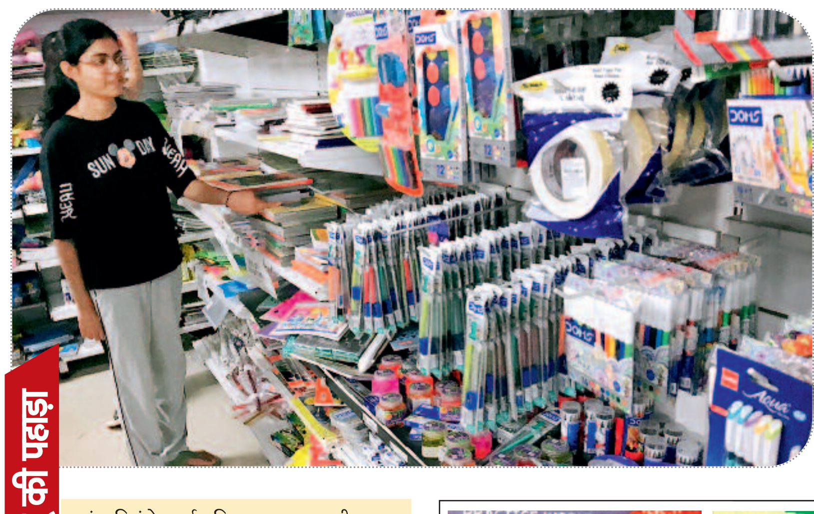

कार्टून शेप में वन-टू की पहाड़ा

रंग-बिरंगे कार्टून पिक्चर कवर वाली पहाड़ा व कलरफिल इन नंबर बुक्स बाजार में बच्चों के लिए आए हैं। जिससे वे खेल-खेल में कार्टून की शेप में वन-टू नंबर्स को देख-लिख कर, रंगभरकर बहुत ही सरल व रचनात्मक तरीके से पहाड़ा गिनती सीख सकेंगे। स्टेशनरी विक्रेताओं ने बताया कि इस तरह के क्रिएटिव कार्टून पिक्चर वाले बुक्स, पहाड़ा बच्चों की पहली पसंद बनी हुई है। इसकी कीमत 50 से 55 रुपए तक हैं।

रायपुर। प्रदेश के सभी स्कूलों में 16 जून से शाला प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। ऐसे में बच्चों के स्कूल जाने को लेकर पैरेंट्स की तैयारी, स्टेशनरी बाजार में उपलब्ध नए सत्र सिलेबस की किताब, कापी, पेन, पेंसिल की स्थिति का जायजा लेने शहर के गोलबाजार स्थित स्टेशनरी की दुकानों पर पहुंचा। जहां पर रविवार को छुट्टी के दिन दोपहर 12 बजे से ही स्टेशनरी दुकानों पर कापी, पेन, पहाड़ा, किताबें आदि खरीदारी के लिए बच्चों व उसके पैरेंट्स की भीड़ देखने को मिली। गोलबाजार के स्टेशनरी व्यापारियों से नर्सरी के बच्चों के लिए उपलब्ध स्टेशनरी की सामानों व कीमतों के बारे में जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि हर शैक्षणिक सत्र की तरह इस बार भी नर्सरी सहित दूसरे कक्षाओं के लिए छत्तीसगढ़ माध्यामिक शिक्षा की किताबें व सीबीएसई की किताबें नए कवर पेज व सिलेबस के साथ उपलब्ध हैं।

स्पार्कलिंग कॉपी कलर बुक्स

पिक्चर कवर में स्टार, बलून, बादल, सूरज, इंद्रधनुष, फ्लावर्स, कार, डॉल कार्टून प्रिंट वाली जंबो स्पार्कलिंग कॉपी कलर बुक्स नर्सरी के बच्चों के लिए दुकान में आई हैं। सिगल लाइन, फोर लाइन राइटिंग काफी 175 से 300 पेज तक की 50 से 100 रुपए कीमत तक मिल रही है। इसी तरह के नर्सरी व उसके समकक्ष कक्षाओं के बच्चों के लिए 100 से 140 रुपए तक कीमत में कापी उपलब्ध हो रही हैं। पैरेंट्स स्कूलों के अलावा ट्यूशन व होम स्टडी के लिए भी बच्चों को स्टेशनरी किट मुहैया करा रहे हैं।

स्पेसमैन, डॉल प्रिंट वाली पेंसिल बॉक्स

स्टेशनरी की दुकानों में एक से बढ़कर एक डिजाइनदार पेंसिल व बॉक्स भी आए हैं। इसमें स्पेशमैन प्रिंट, मोटू-पतलू, स्पाइडर मैन प्रिंटेड पेंसिल बॉक्स बच्चों को बहुत पसंद आ रहा है। शका-लका बूम-बूम की पेंसिल भी आई हुई है। इस तरह से पेंसिल बॉक्स 40 से 80 रुपए तक में उपलब्ध हैं। वहीं डिजाइनदार पेंसिल प्रति नग 20 रुपए कीमत की है।

स्कूल बुक्स लिस्ट के अनुरूप इन स्टेशनरी की डिमांड

ड्राइंग शीट, ओरीगेमी शीट, प्लास्टिसिन, फेविकोल, क्रेयॉन, पेंसिल बॉक्स बच्चों को पेंसिल, रबर, शार्पनर आदि। पोस्टर रंग, बटन फ्रोल्डर, बच्चों को अपनी कला और शिल्प परियोजनाओं को व्यवस्थित रखने में मदद करता है। वहीं ब्लैक परमानेंट बोल्ड मार्क बच्चों को ड्राइंग शीट पर लिखने और लेबल करने के लिए उपयोग किया जाता है। रंगीन चादरें ए4 साइज बच्चों को कला और शिल्प परियोजनाओं के लिए उपयोग किया जाता है।

इवेंट लाइव

कैनवास पर राष्ट्रीय कैडेट्स ने उकेरा तंबाकू से बचाव का तरीका

रायपुर। शहर के डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं ड्रग रोकथाम समिति के द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रीति मिश्रा ने आयोजन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि तम्बाकू का उपयोग का हानिकारक प्रभाव का नियंत्रण करने के लिए प्रभावी कानून के प्रति लोगों को जागरूक करने का कैनवास पर हर प्रतिभागी ने अच्छा प्रयास किया है। इसके सेवन से होने वाली मौतों को कम करने का प्रयास बेहद जरूरी है। हृदय और गुर्दे की बीमारी,पैरों और पैरों में खराब रक्त प्रवाह,अंधापन और तंत्रिका क्षति होती है। नशे और धूम्रपान को छोड़ने या अन्य उत्पादों का उपयोग करने वाले लोगों को कई समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है।

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी डॉ. निशा बारले ने बताया कि हर साल 31 मई को विश्व स्वास्थ्य संगठन और उसके साझेदार विश्व भर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाते हैं। जिसमें तंबाकू के उपयोग से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर प्रकाश डाला जाता है। तंबाकू की खपत को कम करने के लिए प्रभावी नीतियों की वकालत की जाती है। इस अवसर पर छात्रों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था नशामुक्त भारत, जिसमें क्रमशः प्रथम स्थान कुमकुम यादव बी कॉम तृतीय तथा द्वितीय स्थान पल्लवी मनहरे बी एस सी तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। आयोजन में समिति की अध्यक्ष डॉ. मनीषा शर्मा तथा एनसीसी प्रभारी शुभम देवांगन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किसानों के पारंपरिक पर्व हरेली से होगा तीज त्योहारों का आगाज, 3 महीने सजेगा उत्सव

जून के बाद राजधानी में आस्था के साथ चढ़ेगा परंपराओं का रंग, हर महीने मनाएंगे कई पर्व

नौतपा खत्म होते ही लोगों के मन में तीज-त्योहारों को लेकर उत्साह बढ़ने लगता है। विद्यार्थी गुरु पूर्णिमा से ज्ञान की देवी की आराधना करते हुए शिक्षा शुरू करते हैं। इस बार गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाया जाएगा। इसके बाद से त्योहारों की झड़ी लगने वाली है।

रायपुर। पंडित मनोज शुक्ला ने बताया कि इस बार खेतिहर किसानों का पारंपरिक पर्व हरेली 24 जुलाई गुरुवार को मनाया जाएगा। इस दिन आंचलिक पर्व को गेड़ी चढ़कर लोग मनाते हैं। खेती किसानी से जुड़े उपकरणों की पूजा भी विधि-विधान से की जाती है। इसके बाद 29 जुलाई को आस्था का पर्व नागपंचमी मनाया जाएगा। इस दिन अखाड़े का भी जगह-जगह प्रदर्शन किया जाता है। भाई-बहन के प्रेम का पर्व रक्षाबंधन इस बार 09 अगस्त को मनेगा। वहीं, बहुला चतुर्थी 12 और हलषष्ठी पर्व14 अगस्त को मनाया जाएगा।

आस्था और पारंपरिक पर्वों की सजेगी श्रृंखला

पंडितजी ने बताया कि कई तीज-त्योहार अलग-अलग क्षेत्र में अन्य नाम और परंपरा के तहत मनाए जाते हैं। कृष्ण जन्माष्टमी 16 अगस्त, इसके बाद 23 अगस्त को पोला पर्व और 26 अगस्त को माता-बहनें हरितालिका तीज व्रत करेंगी। इसके अगले ही दिन गणेश चतुर्थी तिथि पर आराध्य देव गणेश की स्थापना होगी। इस पर्व के साथ ही आस्था और भक्ति में लोग लीन होंगे। 06 सितंबर को अनंत चतुर्दशी को विघ्नहर्ता की विदाई होगी। इसके बाद 8 सितंबर को पितृ पक्ष शुरू होगा और पितृ मोक्ष अमावश्या यानी 21 सितंबर का इसका समापन होगा।

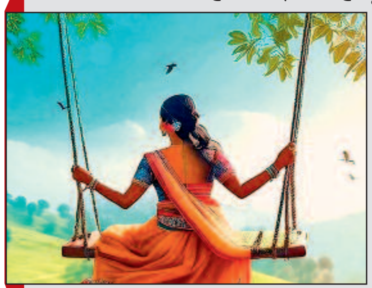

शिव परिवार की आराधना में बीतेगा समय

इस बार 22 सितंबर से शारदीय नवरात्र शुरू होगा। इसे आस्था और उत्सव की तरह मनाया जाता है। लोग सावन लगने से लेकर लेकर शारदीय नवरात्र के बीच शिव परिवार की आराधना के बीच पारंपरिक उत्सवों से जुड़ते हैं। इस कड़ी में मंदिरों ही नहीं, सार्वजनिक आयोजन समितियों के द्वारा भी गणेश पूजा के बाद मां दुर्गा की आराधना में नौ दिन बिताते हैं। इसके बाद विजय दशमी और दिवाली तक उत्सवों की श्रृंखला सजती है। इसके बाद मांगलिक कार्यों पर लगने वाला विराम भी खत्म होने से एक बार फिर वैवाहिक आयोजनों का सिलसिला शुरू होगा।

बाबा केदारनाथ के दर्शन करने 17 सौ किमी. की पदयात्रा, 35 किमी. चल रहे रोजाना

रायपुर। गौ-माता के प्रति समर्पण भाव और देशप्रेम का ऐसा जुनून की शहर का युवक लखन यादव केदारनाथ भगवान शिव शंभू के दर्शन के लिए निकल पड़ा। जो विगत एक माह से अधिक समय तक पदयात्रा कर केदारनाथ पहुंचेगा। ब्राम्हणपारा निवासी लखन यादव ने रविवार को पदयात्रा की शुरुआत लाखेनगर स्थित वीर हनुमान मंदिर से की। इस दौरान श्री हनुमान की आरती एवं मंगलयात्रा का आशीर्वाद लेकर यात्रा की शुरुआत की गई। युवक रायपुर से केदारनाथ तक अकेले पैदल यात्रा करते पहुंचेगा।

हरिभूमि से बातचीत में 28 वर्षीय युवक ने बताया कि यात्रा के दौरान रोजाना 30-35 किलोमीटर चलना होगा। रायपुर से केदारनाथ की दूरी लगभग 1500-1700 किलोमीटर है, जिसे चलकर तय करूंगा। यात्रा का संकल्प ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की चाह और गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने पर है। बीते वर्ष अयोध्या दर्शन के लिए पदयात्रा निकाली गई थी, जिसमें लगभग 800 किलोमीटर की यात्रा तय की गई।

यात्रा के लिए मां ने किया प्रोत्साहित

युवक ने बताया कि गोल बाजार स्थित दुकान में काम करता हूं, जो मेरे आय का साधन है। घर पर तीन बहनों की शादी हो गई है और मां फूल बाई यादव के साथ रहता हूं। पहली बार यात्रा के लिए मां का आशीर्वाद और प्रोत्साहन भरपूर मिला, जिसके कारण सफल पदयात्रा हुई। यह यात्रा जीवन जीने की नई दिशा को दर्शाता है। यात्रा के बाद जीने का नजरिया बदल गया है। इसमें ग्रामीण अंचलों की सुंदरता और अद्भुत दृश्य पदयात्रा के दौरान देखने को मिलती हैं। यात्रा समाप्त होने के बाद स्वयं उत्साह और उमांग सा महसूस होता है, जहां रास्ते भर भगवान के साथ होने का अहसास होता है। बीते दो वर्षों से निरंतर यात्रा जारी है, आने वाले साल में भी धार्मिक स्थल तक पदयात्रा करने की इच्छा है। जहां प्रकृति का सुंदर नजारा और मंदिर दर्शन से मन को शांति प्राप्त हो। यह यात्रा संपूर्ण देशप्रेमियों के लिए है।

परमेश्वरी पूजा से देवांगन महाकुंभ का आगाज, नियमावली का किया प्रकाशन

रायपुर। देवांगन महाकुंभ के चलते पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में रविवार को दिनभर उत्साह का माहौल रहा। परमेश्वरी माता की पूजा-अर्चना से इस महाकुंभ का आगाज किया गया। इसके लिए प्रदेश देवांगन कल्याण समाज 2338 छत्तीसगढ़ के तहत सभी जिला और प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व की भांति 8 वर्षों के उपरांत प्रादेशिक सामाजिक सम्मेलन किया गया। समाज को संगठित करने और एकता के सूत्र में पिरोने के लिए नियमावली का प्रकाशन किया गया। कई सामाजिक मुद्दों को लेकर मंथन भी किया गया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप देवांगन, महासचिव मुकेश देवांगन और प्रदेश युवा अध्यक्ष मनोहर देवांगन सहित समाज प्रमुखों द्वारा व्यवस्था की बागडोर संभाली गई। समाज प्रमुखों के साथ प्रदेश महिला अध्यक्ष किरण देवांगन ने मुख्य अतिथि के रूप में समाज के बीच शाम को पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का स्वागत किया।

समाज ने किया विद्यार्थियों का सम्मान

इस महाकुंभ में हर क्षेत्र से समाज के 10 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। धर्म प्रचार के प्रदेश अध्यक्ष भीखम देवांगन ने बताया कि महाकुंभ को सफल बनाने के लिए दायित्वों का विभाजन किया गया था। इसमें समाज के पंच, सरपंच, पार्षद, जनपद, जिला पंचायत सदस्य, नगर पंचायत अध्यक्ष, पालिका अध्यक्ष, महापौर, निगम मंडल के अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठजनों तथा 10वीं, 12वीं मेरिट में आए विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया।

समाज ने हर क्षेत्र में वर्चस्व दिखाया

सीएम साय ने संबोधन में कहा कि मेहनतकश और खुशहाल समाज के बीच आया हूं। समाज के लोग उन्नत खेती और व्यवसायी के रूप में विकास में सहयोग दे रहे हैं। समाज न केवल खेती और व्यापार में अग्रणी है, बल्कि शिक्षित और संगठित भी है। शिक्षा, सांस्कृतिक, कला, कृषि, व्यापार सभी क्षेत्रों में समाज ने वर्चस्व दिखाया है। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक किरण देव ने भी समाज को संबोधित किया। समाज के प्रदेश अध्यक्ष ने स्वागत उद्बोधन में देवांगन महाकुंभ के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में देवांगन महाकुंभ पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विधायक मोती लाल साहू, पुरन्दर मिश्रा उपस्थित थे।

सिटी स्पोर्ट्स

राज्य स्तरीय तैराकी स्पर्धा 8 को, ऑनलाइन इंट्री 4 तक

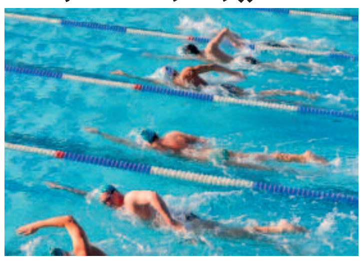

रायपुर। छत्तीसगढ़ तैराकी एसोसियेशन एवं जिला तैराकी संघ के तत्वावधान में सीनियर छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय तैराकी टाइम ट्रायल का आयोजन इंटरनेशनल स्वीमिंग पूल में 8 जून को सुबह 11 बजे से किया जा रहा है। इस चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ तैराकी एसोसियेशन से संबद्ध जिला/ईकाई की सीनियर पुरूष एवं महिला टीम भग लेगी। टाइम ट्रायल में चयनित खिलाड़ी भुवनेश्वर (उड़ीसा) में 22 से 26 जून को आयोजित 78वीं सीनियर राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेंगे। टाईम ट्रायल में भाग लेने हेतु अपने जिले/ संस्थान के सीनियर पुरूष एवं महिला टीम की ऑनलाईन इंट्री 04 जून तक छत्तीसगढ़ तैराकी एसोसियेशन के वेबसाइट में करना होगा। भारतीय तैराकी महासंघ के नियमानुसार (पुरूष एवं महिला) वर्ग में एक खिलाड़ी अधिकतम 05 व्यक्तिगत इवेन्ट में भाग ले सकते हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सभी खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना अनिवार्य है। एक इवेन्ट में जिला / ईकाई से अधिकतम दो खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों के लिये वार्षिक पंजीयन शुल्क रूपये 750/- प्रति खिलाड़ी होगा. प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु इवेन्ट शुल्क रूपये 50/- प्रति इवेन्ट प्रति खिलाड़ी होगा। राज्य स्तरीय तैराकी टाईम ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की आयु 14 वर्ष से अधिक होना अनिवार्य है। प्रतियोगियों के अलावा प्रत्येक वर्ग में केवल प्रशिक्षक एवं 01 प्रबंधक, कुल – 02 ऑफिशियल ही भाग ले सकते हैं।

पांचवे चक्र की समाप्ति पर रजनीकांत ने बनाई बढ़त

रायपुर। विप्र महाविद्यालय में जारी आशीष शर्मा स्मृति राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगोता में 5 वें चक्र में पहले टेबल पर रायपुर के क्षितिज शर्मा व दुर्ग के यशद के बीच शानदार मुकाबला देखने को मिला। सफेद मोहरों से खेल रहे यशस्व ने नॉर्मल किंग पॉन से मैच की शुरुआत की जिसमें अंत में बाजी ड्रॉ पर छूटी।

दूसरे टेबल पर सफेद मोहरों से खेलते हुए कोंडागांव के रजनीकांत बख्शी ने मैच की शुरुआत से ही पोजीशनल एडवांटेज बनाए रखा और ऑपोजिट कलर बिशप के एन्ड गेम में शानदार कॉम्बिनेशन के साथ जीत और प्रतियोगिता में एकल बढ़त हासिल की। तीसरे टेबल पर यशद बम्बेश्वर की बाजी बराबरी पर छूटी। प्रतियोगिता निर्देशक जिला शतरंज संघ के सचिव नवीन शुक्ला एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी आनंद अवधिया है। मुख्य निर्णायक फिडे ऑर्बिटर एवं फिडे इंस्ट्रक्टर रोहित यादव व डिप्युटी चीफ फिडे ऑर्बिटर रॉकी देवांगन तथा सहायक निर्णायक के रूप में सीनियर नेशनल ऑर्बिटर ओम प्रकाश वन्दे, चंदन साहू, श्रीमती हेमा नागेश्वर व अनूप झा है।

नेशनल एथलेटिक्स के लिए राज्य चयन ट्रायल 8 को

रायपुर। एथलेटिक्स फ़ैडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 23वीं नेशनल जूनियर (अंडर-20) फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रयागराज मे 22 से 24 जून तक आयोजित किया जाएगा

जिसके लिए छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ द्वारा राज्य स्तरीय चयन प्रक्रिया (ट्रायल) का आयोजन 08 जून (रविवार) को बहतराई एथलेटिक्स स्टेडियम, बिलासपुर में आयोजित किया जाएगा। इस चयन ट्रायल में 24 जून 2005 से 25 जून 2009 के मध्य जन्मे जूनियर एथलीट ही भाग ले सकते हैं। जिसमे 100 मी, 200 मी, 400 मी, 800 मी, 1500 मी, 3000 मी, 5000 मी, 110 मी हर्डल्स, 400 मी हर्डल्स, हाई जम्प, लॉंग जम्प, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, ट्रिपल जम्प, हैमर थ्रो, 10 किमी रेसवॉक, 3000 मी. आदि इवैंट मे एथलीट भाग ले सकते है। यह ट्रायल एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन एवं मानकों के अनुरूप आयोजित किया जाएगा। चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए एएफआई यूआईडी अनिवार्य है एवं ऑनलाइन पंजीयन छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ की आधिकारिक वेबसाइट पर किया जा सकता है। प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों एवं संबद्ध इकाइयों से लगभग 450 खिलाड़ी, प्रशिक्षक, प्रबंधक, तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे। संघ द्वारा सभी जिला इकाइयों से पात्र खिलाड़ियों को उक्त चयन प्रक्रिया में भाग लेने हेतु जानकारी प्रदान कर रहे है।

तनाव का सीधा संबंध है पाचन से, आज ही से सुधारें इस गड़बड़ी को

पाचन की समस्या की जड़ में छिपा है आपका तनाव, जल्द मुक्ति पा लें तो रहेगी तबीयत भी ठीक

आज के समय बहुत से लोग मानसिक तनाव से परेशान रहते हैं। एक स्टडी के मुताबकि मानसिक तनाव का सीधा संबंध पाचन क्रिया से होता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि इससे बचने के क्या उपाय हैं?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पाचन संबंधी समस्याएं आम हो गई हैं। पेट दर्द, अपच, कब्ज और गैस जैसी परेशानियां हर उम्र के लोगों को सता रही हैं। गर्मी के मौसम में तो ये दिक्कतें और भी बढ़ जाती हैं। पाचन संबंधी समस्याओं के पीछे कई कारण हो सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका एक बड़ा कारण मानसिक तनाव भी है। जी हां, एक स्टडी के अनुसार, हमारे मस्तिष्क का आंतों से सीधा और गहरा संबंध होता है, यानी पाचन क्रिया और मानसिक तनाव आपस में जुड़े हुए हैं। तनाव हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को कई तरह से प्रभावित करता है। जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर में स्ट्रेस हार्मोन जैसे कॉर्टिसोल और एड्रेनालाइन का स्तर बढ़ जाता है। इन हार्मोनों का सीधा असर हमारी पाचन क्रिया पर पड़ता है, जिससे पेट में ऐंठन और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक तनाव में रहने से आंत में बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ता है, जिससे पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है।

गर्मियों में यह समस्या और बढ़ जाती है। उच्च तापमान और डिहाइड्रेशन के कारण शरीर पहले से ही तनावग्रस्त होता है। ऐसे में अगर आपकी दिनचर्या अनियमित है, खान-पान अनहेल्दी है, या आप मानसिक तनाव में हैं, तो पाचन संबंधी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, तनाव के कारण नींद की कमी भी पाचन तंत्र को प्रभावित करती है, जिससे दिनभर थकान और एकाग्रता में कमी महसूस होती है।

क्या करें?

सबसे पहले, तनाव को कम करने की कोशिश करें। रोजाना 10-15 मिनट का ध्यान या गहरी सांस लेने का अभ्यास तनाव को कम करने में मदद करता है। योग और हल्का व्यायाम, जैसे सुबह की सैर, भी फायदेमंद है। इसके साथ ही, अपनी डाइट पर ध्यान दें।

पाचन को बेहतर बनाने के लिए दही को अपनी डाइट में शामिल करें, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स आंत के स्वास्थ्य को ठीक रखते हैं। खाना खाने के बाद एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू डालकर पीना पाचन को अच्छा रखने में मदद करता है।

खान-पान के साथ-साथ जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी है। रात को सोने से 2-3 घंटे पहले खाना खा लें और कोशिश करें कि रात की नींद पूरी हो। ज्यादा फैट वाले भोजन, फास्ट फूड, और गैस युक्त पेय पदार्थों से बचें। दिनभर में 2-3 लीटर पानी पीकर शरीर को हाइड्रेटेड रखें। अगर पाचन की समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो डॉक्टर से सलाह लें, क्योंकि यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

40 की उम्र के बाद भी बने रहेंगे तंदुरुस्त अपनाएंगे अगर सेहत से जुड़ी कुछ टिप्स

40 साल की उम्र वो पड़ाव होता है, जब शरीर में कई शारीरिक समस्याएं और स्वास्थ्य स्थितियों का खतरा बढ़ जाता है। एक्सपर्ट का कहना है, कि इस उम्र के बाद आपको काफी संभलकर रहना होता है। यंगस्टर्स तो फिट रहने के लिए हेल्दी और क्लीन डाइट,रनिंग,साइकिलिंग, जिम जाकर वर्कआउट करना ,जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूर रहना और योग करना आदि कई उपाय अपनाते हैं। लेकिन 40 के आसपास की उम्र वाले लोग पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण लाइफ स्टाइल को उतना एक्टिव नहीं रख पाते, जितना उन्हें रखना चाहिए। अगर कोई भी अपने शरीर और स्वास्थ पर पहले से ही काम करना शुरू करे, तो 40 की उम्र के बाद अधिक मेहनत की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसलिए इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जो 40 की उम्र के बाद भी फिट रहने में आपकी मदद कर सकते हैं।

स्ट्रेंथ पर करें काम

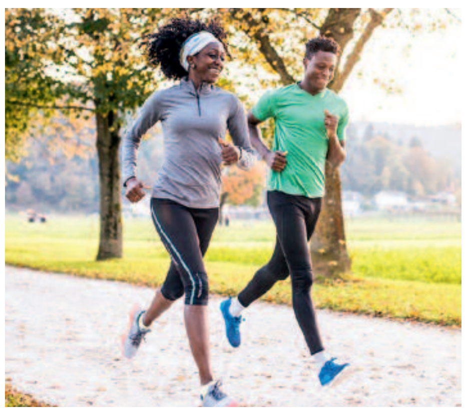

हमारी उम्र के साथ मांसपेशियों का निर्माण और रखरखाव हमारी हड्डियों को मजबूत रखने का एक महत्वपूर्ण घटक होता है। वहीं, मांसपेशियों का द्रव्यमान उम्र बढ़ने के साथ कम होने लगता है, इसलिए रेजिस्टेंस ट्रेनिंग यानी वेट ट्रेनिंग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए, अभी से ही वेट ट्रेनिंग को डेली रूटीन में शामिल करें, ताकि आगे चलकर आपको कोई समस्या न हो।

मसल्स फ्लेक्स पर दें ध्यान

40 साल से अधिक उम्र के लोग हर साल अपने मसल्स का लगभग 1 प्रतिशत हिस्सा खो देते हैं। इसलिए 40 साल से अधिक उम्र के लोगों को जरूरी है कि वे मसल्स को फ्लेक्स करें। इसके लिए तेज चलना और फिर हल्के वजन से वेट ट्रेनिंग करना काफी फायदेमंद हो सकता है। लेकिन अगर आप अभी 40 के नहीं हुए हैं, तो मसल्स फ्लेक्शन पर ध्यान दें, ताकि आगे चलकर कोई प्रॉब्लम न आए।

जंक फूड अवॉइड करें

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितने साल के हैं। हर उम्र में एनर्जी की कमी, सुस्ती आदि जैसे समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप अभी जंक फूड खा रहे होंगे तो इसका असर आपको आलस, वेट गेन के रूप में दिखेगा। लेकिन जब उम्र बढ़ने लगेगी, वैसे-वैसे इसके अधिक प्रभाव आपको देखने मिलेंगे। आप यह बात तो जानते ही होंगे कि जंक फूड खाने से शरीर को कितनी सारी प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। अगर आप बढ़ती उम्र में भी फिट और स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो जंक फूड को खाना बंद कर दें।

फाइबर का सेवन करें

जब आप छोटे थे, तो हो सकता है कि वजन बढ़ाए बिना जो चाहें खा सकते थे। क्योंकि कम उम्र में शारीरिक एक्टिविटी अधिक हो सकती हैं।

इस तरह से बनाएंगे चावल तो हर दाना रहेगा खिला-खिला

यदि आपके चावल भी आपस में चिपक जाते हैं तो हमारे बताए तरीके से चावल बनाएं। इससे एक-एक दाना खिला-खिला बनेगा।

भिगोना है जरूरी

यदि आप एकदम खिला-खिला चावल बनाना चाहते हैं तो उसे भिगोना बेहद जरूरी है। चावल को पकाने से पहले कम से कम 30 मिनट के लिए भिगो दें। ऐसा कहा जाता है कि भिगोने से चावल मुलायम होता है और पकने पर दाने फटते नहीं। भीगे हुए चावल कम पानी में पक भी काफी जल्दी जाते हैं।

पानी का अनुपात रखें सही

चावल बनाते समय यदि आप पानी का अनुपात ज्यादा कर देंगे तो चावल घुट जाएंगे, वहीं अगर पानी कम रह जाएगा, तो चावल कच्चे रह जाएंगे। कच्चे चावल खाने से पेट खराब होने का डर भी रहता है। इसलिए चावलों में पानी हमेशा नाप कर ही डालें। जैसे कि एक कप बासमती चावल पकाने के लिए 1.5 से 2 कप पानी की जरूरत पड़ेगी।

बार-बार ढक्कन न खोलें

यदि आप बार-बार चावलों का ढक्कन खोलकर देखेंगे तो इससे भी चावल सही से नहीं पकेंगे। बार-बार बर्तन का ढक्कन खोलने से कई चावल अंदर से अधपके रह जाते हैं और चिपक जाते हैं, जो खाने में अजीब लगते हैं।

दम लगाना है जरूरी

यदि चावल बना रहे हैं तो समय होने के बाद उसे तुरंत न खोलें। चावल में यदि कम से कम 10 मिनट दम लगेगा तो ये ज्यादा खिले-खिले बनते हैं। यदि पतीले में चावल बना रहे हैं तो जब पानी पूरी तरह सूख जाए, तो गैस बंद कर दें और चावल को 10 मिनट तक ढक्कन बंद करके रख दें।

चावल हो पुराना

ये सबसे जरूरी बात है, क्योंकि नया चावल कभी भी खिला-खिला नहीं बनता है। चावल जितना पुराना होगा, उतना ही अच्छा बनेगा। इसलिए यदि नया चावल लाए हैं, तो ये बात जहन में बैठा लें कि वो थोड़ा चिपकेगा ही। बस ऊपर दी गई बातों को ध्यान में रखकर आप इन्हें थोड़ा अच्छे से पका सकती हैं।

घर में बेलपत्र का पौधा लगाना है तो जान लें वास्तु के नियम

बेल के पौधे को ज्योतिष और वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है। इस पौधे की पत्तियों को हमेशा भगवान शिव की पूजा में अर्पित किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस पौधे को घर पर लगा रही हैं तो वास्तु के नियमों का पालन जरूरी है।

वास्तु की दृष्टि से बेल के पेड़ का महत्व

वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों का घर में स्थान बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रत्येक पौधा न केवल पर्यावरण को सुंदर और हरा-भरा बनाता है, बल्कि यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। यह ऐसे ही पौधों में से एक है जो घर में शुभता और समृद्धि लाने का काम करता है। यह घर में सुख, शांति और समृद्धि को बढ़ावा देता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेल का पेड़ घर में नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का कार्य करता है। यह वातावरण को शुद्ध करता है और घर में शांति और समृद्धि को बढ़ाता है।

क्या घर में बेल का पौधा लगाना ठीक है?

घर में बेल का पौधा लगाना वास्तु शास्त्र और धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत शुभ माना जाता है। विशेष रूप से यह पौधा भगवान शिव से जुड़ा है, इसलिए जिस स्थान पर ये पौधा होता है वहां भगवान शिव की कृपा दृष्टि सदैव बनी रहती है। मान्यता है कि इस पौधे को यदि आप अपने घर की सही दिशा में लगाती हैं तो सदैव शिव जी की कृपा दृष्टि बनी रहती है। यही नहीं इससे सकारात्मक ऊर्जा पूरे घर में फैलती है। हालांकि आप जब भी ये पौधा घर में लगाएं इसकी सही दिशा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है और इस बात का भी ध्यान रखने की जरूरत है कि यह पौधा किसी भी कारण से सूखना नहीं चाहिए। आपको इस पौधे की नियमित देखभाल करनी चाहिए और इस पर समय-समय पर जल चढ़ाना चाहिए।

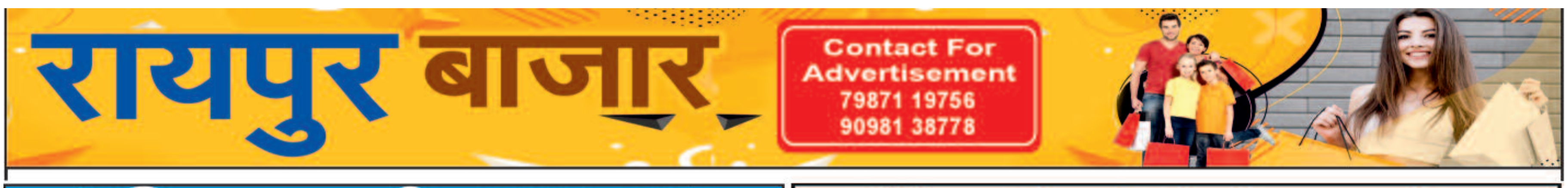

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कैब ड्राइवर ने रैपर क्रिसी सेलेस पर तानी बंदूक, पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

अमेरिका के फ्लोरिडा में रैपर क्रिसी सेलेस के साथ एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। उनके ऊपर एक कैब ड्राइवर ने बंदूक तान दी। पहले कैब ड्राइवर ने रैपर से अपनी कैब से बाहर निकलने को कहा, जब बहस बढ़ी तो उसने रैपर पर बंदूक तान दी। किसी तरह से रैपर ने अपनी जान बचाई। इस मामले ने सभी को चैंका दिया है। कैब ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। रैपर क्रिसी सेलेस फिलहाल ठीक हैं।

खबर के मुताबिक यह मामला 12 मई का है। बताया जाता है कि उबर कैब ड्राइवर जेनिफर बेनीडेज ने मियामी से दो महिलाओं को अपनी कैब में बिठाया। इसके बाद दोनों को गंतव्य से पहले हॉलीवुड में एक जगह पर उतरने को कहा। सवारियों ने उतरने से मन कर दिया। इस पर कैब ड्राइवर ने रैपर क्रिसी सेलेस पर बंदूक तान दी।

इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैब ड्राइवर और सवारियों के बीच तीखी बहस हो रही है। कैब ड्राइवर बार-बार सवारियों से कह रही है कि मेरी कार से उतर जाओ। जब वह दोनों उतरने से मना करते हैं तो कैब ड्राइवर उन पर बंदूक तान देती है। रैपर क्रिसी सेलेस किसी तरह अपनी जान बचाती हैं।

टॉलीवुड

महेश बाबू की फिल्म री-रिलीज होते ही भड़के फैंस, थिएटर्स में जमकर हंगामा

महेश बाबू की 2010 में आई तेलुगू फिल्म 'खलेजा' एक बार फिर चर्चा में है। इस बार वजह है फिल्म का 4के वर्जन जो 30 मई को थिएटर्स में री-रिलीज किया गया। इसके बाद महेश बाबू के कई फैंस काफी नाराज नजर आए। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की साल 2010 में आई फिल्म 'खलेजा' को 30 मई को एक बार फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। फैंस अपने फेवरेट एक्टर की फिल्म को फिर से देखने के लिए काफी एक्साइटेड थे लेकिन बहुत जल्दी ही उनकी ये सारी उत्सुकता निराशा में बदल गई। कई वीडियोज सोशल मीडिया पर नजर आए जिनमें महेश बाबू के फैंस थिएटरकर्मियों के ऊपर भड़कते हुए नजर आए। आखिर ऐसा क्यों हुआ, चलिए आपको बताते हैं। दरअसल जैसे ही सिनेमाघरों में महेश बाबू की फिल्म लगी, फैंस ने नोटिस किया कि फिल्म में से कई सीन को हटा दिया गया है। कई सीन को फिल्म से कट कर किया गया जिसे देखकर फैंस काफी निराश हो गए। बस इसी के बाद से फैंस ने थिएटर्स में हंगामा खड़ा कर दिया।

भोजपुरी

यश की 'चंद्रकांता' का पोस्टर रिलीज, दावा- भोजपुरी सिनेमा को नई दिशा देगी फिल्म

भोजपुरी सुपरस्टार यश कुमार की नई फिल्म 'चंद्रकांता' के पोस्टर्स रिलीज कर दिए गए हैं, जिन्हें देखकर फैंस के बीच काफी क्रेज है। यश ने ही इसकी कहानी लिखी है और एक्टिंग भी की है। यश कुमार का कहना है कि यह एक नया सिनेमाई एक्सपीरियंस देगी। भोजपुरी सिनेमा के चहेते सुपरस्टार यश कुमार की अपकमिंग फिल्म 'चंद्रकांता' को लेकर भोजपुरी के दर्शकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। फिल्म से जुड़े सभी पोस्टर रिलीज कर दिए गए, जिसके बाद फिल्म सुर्खियां बटोरी हैं। इस फिल्म का निर्माण यश कुमार एंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा द्वारा किया गया है, जबकि निर्देशन रूस्तम अली चिश्ती ने किया है। फिल्म में यश कुमार के साथ सपना चौहान, त्रिशा कर मधु, प्रीति मौर्या, अमित शुक्ला, अनिता रावत, राधे कुमार, शाहिद सैम्स और पूनम राय जैसे कलाकार नजर आएंगे। 'चंद्रकांता' एक पौराणिक, ऐतिहासिक और सामाजिक मिश्रण की झलक पेश करती है, जो दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म को लेकर यश कुमार ने कहा, ''चंद्रकांता' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि भोजपुरी सिनेमा के लिए एक नई दिशा है। हमने इसकी कहानी, संगीत, लोकेशन और लुक्स को बहुत गंभीरता से गढ़ा है। यह फिल्म दर्शकों को भव्यता, भावनाओं और दमदार डायलॉग्स का संगम देगी।'

'चंद्रकांता' की तकनीकी टीम भी बेहद मजबूत है। कहानी एस. के. चौहान ने लिखी है और स्टोरी खुद भोजपुरी स्टार यश कुमार ने एस. के. चौहान के साथ मिलकर तैयार की है। डायलॉग मनोज गुप्ता ने लिखे हैं और म्यूजिक साजन मिश्रा ने दिया है। वहीं गीतकार धरम हिंदुस्तानी और शेखर मधुर हैं।

भोजपुरी फिल्म 'चंद्रकांता' की कॉस्ट्यूम डिज़ाइनिंग की जिम्मेदारी नानू फैशन (विद्या-विष्णु) ने संभाली है, जबकि पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य लोटस स्टूडियो द्वारा किया जा रहा है। यह मूवी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में तकनीकी, भावनात्मक और कलात्मक सभी पहलुओं को मिलाकर एक सशक्त प्रस्तुति देने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। फिल्म के पोस्टर रिलीज होने के साथ ही अब दर्शक इसके ट्रेलर और रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मौसम का जादू

लाइफ स्टाइल

"गर्मी अभी गई नहीं है और बारिश पूरी तरह आई नहीं है। ऐसे में हल्के रंगों या हल्के न्यूट्रल रंगों में सांस लेने योग्य कॉटन टी-शर्ट और हल्के रंगों या हल्के रंगों में लिनन या कॉटन शर्ट बेहतरीन विकल्प हैं। यदि आप जींस पसंद करते हैं, तो हल्के रंग के डेनिम चुनें या अपने टखनों को उजागर करने के लिए उन्हें थोड़ा ऊपर रोल करने पर विचार करें।

चेहरे की चमक को कई गुना बढ़ा देगा ये लाल फेस पैक

बदलते मौसम का असर सेहत के साथ-साथ स्किन पर भी देखने को मिलता है। खासतौर पर अब जब मौसम गर्मी का हो रहा है, और बीच-बीच में बारिश भी हो रही है, तो स्किन काफी डल होने लगती है। डल स्किन का ध्यान यदि सही से न रखा जाए तो चेहरा अजीब दिखने लगता है। इसी के चलते लोग महंगी-महंगी क्रीमों और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, ताकि वो अपनी त्वचा का ध्यान रख पाएं। लेकिन कई बार इन प्रोडक्ट का भी कोई असर देखने को नहीं मिलता है। इसी के चलते हम आज यहां आपको एक ऐसे लाल फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आपका चेहरा एकेदम से खिल उठेगा। खास बात तो ये है कि इस पैक को बनाने के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने और किसी भी ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पैक को बनाने का सामान

इस पैक को बनाने के लिए जो सबसे मुख्य सामग्री है वो है चुकंदर। इसके

अलावा दही और थोड़ा सा शहद भी इस पैक को सही तरह से बनाने में आपकी मदद करेगा।

ऐसे करें तैयार

फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले या तो चुकंदर को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें, नहीं तो आप इसे ब्लेंड कर सकते हैं।

यदि आपने इसे ब्लेंड किया है, तो चुकंदर के पेस्ट में थोड़ा सा सही मिक्स करें। दही के साथ-साथ इसमें थोड़ा सा शहद भी डालें, क्योंकि ये आपकी स्किन को मुलायम रखने का काम करेगा। सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब पारी आती है इस पैक को सही से इस्तेमाल करने की तो उसके लिए सबसे पहले तो अपने चेहरे को अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। इसके लिए किसी अच्छे क्लींजर का इस्तेमाल करें। जब चेहरा अच्छी तरह से साफ हो जाए तो उसपर चुकंदर के पेस्ट की एक पतली लेयर अप्लाई करें। अब इस पैक को ऐसे ही लगा रहने दें। आधे घंटे के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धोकर साफ करें। चेहरा साफ करने के बाद उसपर अच्छी क्रीम जरूर अप्लाई करें।

क्या हैं इसके फायदे

इस पैक को इस्तेमाल करने का सबसे बड़ा फायदा तो ये ही कि ये पैक डेड स्किन को हटाता है, जिससे त्वचा का रंग निखर जाता है। ये आपकी स्किन टोन को एक शेड तक लाइट कर सकता है। इसलिए यदि आप ग्लोइंग त्वचा पाना चाहते हैं तो इस पैक का इस्तेमाल करें।

ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए स्टाइल करें लेटेस्ट डिजाइंस वाले गाउन

इन दिनों गाउन काफी ट्रेंड में है और कई सारे खास मौकों पर महिलाएं इन्हें स्टाइल करना पसंद करती हैं। गाउन आपको कई सारे ऑप्शन के साथ मिल जाएंगे। लेकिन, अगर आप ट्रेडिशनल लुक पाना चाहती हैं और गाउन स्टाइल करने का सोच रही हैं। तो, आप इस आर्टिकल में दिखाए गए गाउन स्टाइल कर सकती हैं। यह गाउन जहां ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए बेस्ट है तो साथ ही, इन गाउन को स्टाइल करने के बाद आपका लुक भी खूबसूरत नजर आएगा।

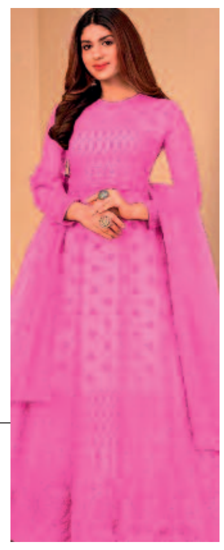

लेटेस्ट डिजाइंस वाले गाउन

ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए हम आपको 4 लेटेस्ट डिजाइंस वाले गाउन दिखा रहे हैं। इस तरह के गाउन को आप सस्ते कीमत में खरीदकर ट्रेडिशनल लुक पा सकती हैं। वहीं, इन गाउन को आप सगाई, पार्टी साथ ही, कई सारे खास मौके पर स्टाइल कर सकती हैं।

सेक्विन्स वर्क गाउन

ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप इस तरह के सेक्विन्स वर्क गाउन का भी चुनाव कर सकती हैं। इस सेक्विन्स वर्क गाउन में आपका लुक रॉयल नजर आएगा साथ ही, आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी। यह गाउन आपको कई सारे कलर ऑप्शन के साथ आसानी से मिल जाएगा जिसे आप 2,000 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

नेट गाउन

न्यू और ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप इस तरह के नेट वाले गाउन का भी चुनाव कर सकती है और इस नेट गाउन को आप सगाई या किसी खास मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। इस गाउन को आप ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही, ऑफलाइन भी आपको गाउन 2,000 से 3,000 रुपये की कीमत में मिल जाएगा।

कट दाना वर्क गाउन

ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप इस तरह के कट दाना वर्क वाला गाउन भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का गाउन आप कई सारे कलर ऑप्शन के साथ खरीदकर रिसेप्शन पार्टी में स्टाइल कर सकती हैं।

वाटरप्रूफ मस्कारा इस्तेमाल करने के हैं नुकसान, आपको भी जानना चाहिए

आंखों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए महिलाएं कई प्रकार के मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। इन प्रोडक्ट में काजल, आईलाइनर, आईशैडो और मस्कारा शामिल रहता है। बात करें मस्कारा की तो एक अच्छा मस्कारा आईलैशेज यानी कि पलकों को घना दिखने में मदद करता है।

गर्मी के मौसम में ज्यादातर महिलाएं वाटरप्रूफ मस्कारा इस्तेमाल करती हैं, ताकि पसीने से ये बहे नहीं। इसके इस्तेमाल से लुक तो अच्छा दिखने लगता है, पर क्या आप जानती हैं कि वाटरप्रूफ मस्कारा आपकी आंखों को काफी नुकसान पहुंचाता है। यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देने जा रहे हैं, ताकि आप भी वाटरप्रूफ मस्कारा सोच-समझ के ही इस्तेमाल करें।

पलकों को कर देता है ड्राई

यदि आप रोजाना वाटरप्रूफ मस्कारा इस्तेमाल करती हैं, तो ये पलकों को काफी रूखा कर देगा। इसके बाद पलकें अपने आप ही झड़ने लगती हैं, क्योंकि वाटरप्रूफ

मस्कारा में मौजूद केमिकल्स पलकों को काफी ज्यादा ड्राई कर देते हैं, जो काफी खतरनाक है।

साफ करने के लिए लगती है मेहनत

जब भी आप वाटरप्रूफ मस्कारा इस्तेमाल करते हैं तो पलकों पर अच्छी तरह से जम जाता है, जिसे आप सिर्फ धोकर तो साफ नहीं कर सकते। इसके लिए आपको मेकअप रिमूवर की जरूरत पड़ेगी। ज्यादा मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल भी आपकी पलकों को कमजोर बना सकता है।

टैनिंग को चुटकियों में गायब कर सकता है गेहूं का आटा, जानें इस्तेमाल का तरीका

आपने जिद्दी टैनिंग को हटाने के लिए तरह-तरह की महंगी-महंगी क्रीमों और स्क्रब का इस्तेमाल तो किया होगा, पर क्या आपने किसी ऐसी चीज का इस्तेमाल किया है जो हमेशा आपकी रसोई में रहती है। हम बात कर रहे हैं रसोई में रखे गेंहू के आटे की, जिसमें पाए जाने प्राकृतिक एंजाइम्स और एक्सफोलिएटिंग गुण त्वचा पर डेड स्किन को जमने नहीं देते हैं। इसके इस्तेमाल से हाथ-पैरों की टैनिंग पूरी तरह से साफ हो जाती है। खास बात ये है कि इसका इस्तेमाल करना भी काफी आसान है। तो बस आइए आपको भी बताते हैं इसके इस्तेमाल का सही तरीका और फायदे। गेंहू के आटे से टैनिंग हटाने के लिए 2 बड़े चम्मच गेहूं का आटा,यदि आपकी स्किन ड्राई है तो 1 बड़ा चम्मच दूध,यदि आपकी स्किन ऑयली है तो गुलाब जल,1 चुटकी हल्दी और 1 छोटा चम्मच नींबू का रस पूरी तरह से वैकल्पिक है, का पेस्ट तैयार करें। जब इसका पेस्ट तैयार हो जाए तो अब बारी आती है इसे अप्लाई करने की। इसके लिए सबसे पहले टैनिंग प्रभावित त्वचा को अच्छी तरह से धो लें। गंदी त्वचा पर पेस्ट लगाने का कुछ फायदा है नहीं। त्वचा को धोने के बाद पेस्ट की एक पतली लेयर टैनिंग प्रभावित त्वचा पर लगाएं। 20 मिनट इसे ऐसे ही सूखने दें। जब ये सूख जाए तो हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए त्वचा को गुनगुने पानी से धो

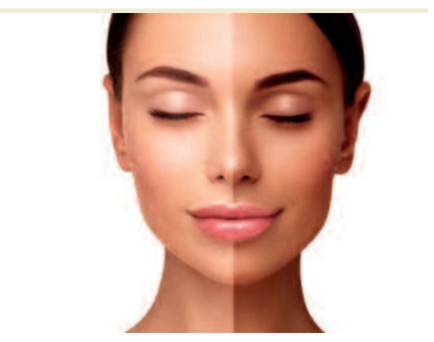

लें। इस पैक का इस्तेमाल आप हफ्ते में तीन बार कर सकते हैं।

जानें इसके फायदे

इस पैक को इस्तेमाल करने का सबसे बड़ा फायदा तो यही है कि इससे टैनिंग छूमंतर हो जाएगी। यदि आप नियमित रूप से इस पैक का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा पर जमी डेड स्किन एक्सफोलिएट होकर साफ हो जाएगी। जिस कारण त्वचा की रंगत अपने आप निखरने लगती है। इसी कारण टैनिंग भी धीरे-धीरे पूरी तरह से साफ हो जाती है।

कार्नर न्यूज

कलर कॉम्बिनेशन बताता है आपके व्यक्तित्व के राज भी

स्टाइलिश लुक के लिए कलर कॉम्बिनेशन को जरूर अपनाएं, नजरें टिकी रहेंगी आप पर

गुड लुकिंग दिखने के लिए कपड़ों का रंग और उनका सही कॉम्बिनेशन बहुत मायने रखता है। सही रंग न केवल आपके व्यक्तित्व को उभारते हैं, बल्कि आपकी आत्म-विश्वास को भी बढ़ाते हैं। रंगों का प्रभाव मानसिकता पर भी होता है और उनका सही चयन आपकी स्थिति और प्रभाव को मजबूत बना सकता है। आइए, हम कुछ ऐसे ही बेहतरीन कलर कॉम्बिनेशन पर विस्तार से चर्चा करते हैं जो पुरुषों के लुक को आकर्षक और स्टाइलिश बना सकते हैं।

ब्लैक और व्हाइट

ब्लैक और व्हाइट का कॉम्बिनेशन क्लासिक और टाइमलेस है। यह बहुत ही सिंपल और सॉलिड लुक देता है। ब्लैक शर्ट के साथ व्हाइट पैंट या व्हाइट शर्ट के साथ ब्लैक जींस एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह संयोजन आपकी त्वचा के रंग को उभारने में मदद करता है और एक सशक्त, प्रोफेशनल और एलिगेंट लुक देता है। ब्लैक जाकेट के साथ व्हाइट टी-शर्ट या व्हाइट पैंट्स के साथ ब्लैक शर्ट

पहनकर एक स्मार्ट लुक मिल सकता है।

नेवी ब्लू और ग्रे

नेवी ब्लू और ग्रे का संयोजन एक सॉफ्ट और सूक्ष्म तरीके से आकर्षण उत्पन्न करता है। यह संयोजन ऑफिस, पार्टी और कैजुअल दोनों ही अवसरों पर फिट बैठता है। नेवी ब्लू टॉप और ग्रे पैंट्स एक शांत और शार्प लुक देने का काम करते हैं। इसके अलावा यह संयोजन किसी भी त्वचा के रंग पर अच्छा लगता है। नेवी ब्लू ब्लेज़र के साथ ग्रे स्लैक पैंट्स या ग्रे शर्ट के साथ नेवी ब्लू जींस पहन सकते हैं।

ऑलिव ग्रीन और बेज

ऑलिव ग्रीन और बेज का संयोजन एक नेचुरल और आरामदायक लुक देता है। यह विशेष रूप से आउटडोर या कैजुअल लुक के लिए अच्छा है। ऑलिव ग्रीन जैकेट या शर्ट बेज पैंट्स के साथ पहना जा सकता है। यह लुक हल्का और शांतिपूर्ण होता है, और ग्रीष्मकालीन आउटफिट के लिए परफेक्ट है। ऑलिव ग्रीन शर्ट के साथ बेज चोकर पैंट्स या बेज जैकेट के साथ ऑलिव ग्रीन पैंट्स पहन सकते हैं।

बर्गंडी और ब्लैक

बर्गंडी और ब्लैक का संयोजन एक गहरे और आकर्षक लुक को दिखाता है। यह रंग संयोजन विशेष रूप से सर्दियों में बहुत अच्छा दिखता है। बर्गंडी का गहरा रंग ब्लैक के साथ शानदार तरीके से मेल खाता है, और यह आकर्षक लेकिन गंभीर लुक देने का काम करता है। बर्गंडी स्वेटर के साथ ब्लैक जींस या बर्गंडी जैकेट के साथ ब्लैक पैंट्स पहन सकते हैं।

लाइट ब्लू और व्हाइट

लाइट ब्लू और व्हाइट का संयोजन एक ताजगी से भरा और फ्रेश लुक देता है। यह रंग संयोजन गर्मियों में खासतौर पर अच्छे लगते हैं। लाइट ब्लू शर्ट और व्हाइट पैंट्स एक क्लीन और सॉफ्ट लुक प्रदान करते हैं।